दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-146, भोपाल शनिवार 09 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"वह एकमात्र स्थान जहां कामयाबी मेहनत से पहले आती है, वह शब्दकोश है।"
- विडाल सैस्सून

जैसा रूस ने यूक्रेन में किया, वही भारत के खिलाफ दोहरा सकता है चीनः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कहना है कि जिस तरह रूस ने यूक्रेन पर अटैक किया है और उसके कुछ इलाकों पर अपना दावा किया है, वैसा ही भारत के खिलाफ चीन भी कर सकता है। जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने यह बात कही। कांग्रेस नेता ने कहा, %रूस का कहना है कि वह यूक्रेन की संप्रभुता को स्वीकार नहीं करता है। वह यूक्रेन के डोनेत्सक और लुहान्सक क्षेत्रों को उसका हिस्सा ही नहीं मानता है। इसी आधार पर रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। आखिर उसका उद्देश्य क्या है। वह यूक्रेन, नाटो और अमेरिका के गठबंधन को तोड़ना चाहता है।% राहुल गांधी ने कहा कि ठीक यही सिद्धांत चीन भारत पर लागू करना चाहता है। वह कहता है कि लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से नहीं हैं और उसने इन इलाकों के पास अपनी सेना को तैनात कर रखा है। सरकार उसकी इन हरकतों को नजरअंदाज कर रही है। लेकिन हमारे पास रूस और यूक्रेन के तौर पर एक मॉडल है। यह यहां भी लागू हो सकता है।

मुंबई में शरद पवार के घर के बाहर उग्र प्रदर्शन

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के मुंबई स्थित घर यानी सिल्वर ओक अपार्टमेंट के बाहर स्टेट ट्रांसपोर्ट के कर्मचारी उग्र प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में पहुंचे कर्मचारियों ने नारेबाजी की एवं कुछ ने घर पर पथराव भी कियौ, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। महाराष्ट्र में पिछले छह महीने से महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारी लगातार हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें 15 अप्रैल तक काम पर लौटने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि अगर 15 अप्रैल तक कर्मचारी काम पर नहीं लौटते हैं तो निगम को उन पर कार्रवाई का अधिकार होगा। कोर्ट ने निगम को कहा है कि कर्मचारी काम पर लौटते हैं तो उन्हें काम पर हाजिर होने दिया जाए और अगले चार सालों तक राज्य सरकार परिवहन निगम को चलाए। इसके बाद आर्थिक स्थितियों के आधार पर अगला फैसला किया जाए।

निजी अस्पतालों में मिलेगी सुविधा

10 अप्रैल से सभी वयस्क लगवा सकेंगे कोविड-19 रोधी टीके का बूस्टर डोज

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन समेत कई मुल्कों में कोरोना संक्रमण अभी भी परेशानी का सबब बना हुआ है। यही नहीं विदेश में कोरोना के नए एक्स ई वैरिएंट के सामने आने के बाद महामारी की नई लहर की आशंका भी बनी हुई है। ऐसे में सरकार ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविड-19 रोधी वैक्सीन की एहतियाती खुराक निजी टीकाकरण केंद्रों में 10 अप्रैल से उपलब्ध होगी।

समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि 10 अप्रैल से निजी टीकाकरण केंद्रों पर 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए कोविड-19 रोधी वैक्सीन की एहतियाती खुराक उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से अधिक आयु वाले ऐसे लोग जिन्होंने वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के नौ महीने पूरे कर लिए हैं। वे एहतियाती खुराकके लिए पात्र होंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने फैसला लिया है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को निजी टीकाकरण केंद्रों पर कोविड के टीके की एहतियाती खुराक उपलब्ध कराई जाएगी। यह सुविधा सभी निजी टीकाकरण केंद्रों पर उपलब्ध होगी। मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में सभी 15 साल से अधिक आबादी में से लगभग 96 फीसद को कोविड रोधी वैक्सीन की कम से कम एक खुराक लगाई जा चुकी है जबकि लगभग 83 प्रतिशत ने दोनों खुराक लगवा ली है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2.4 करोड़ से अधिक एहतियाती खुराक भी दी गई हैं। इसके अलावा 12 से 14 आयु वर्ग के 45 फीसद लाभार्थियों को पहली खुराक लगाई जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि सरकारी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से पात्र आबादी के लिए पहली और दूसरी खुराक के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और 60 साल से ऊपर के लोगों के लिए एहतियाती खुराक लगाए जाने का काम जारी रहेगा।

शंघाई में सख्त लाकडाउन से लोगों में गुस्सा

बीजिंग। चीन का शंघाई शहर कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है। कई दिनों से जारी लाकडाउन के चलते शंघाई में मेडिकल सुविधा और खाने की चीजों के लाले पड़ गए है। दरअसल, बीते महीने से ही शंघाई में लाकडाउन लगाया गया है। करीब ढाई करोड़ लोग अपने-अपने घरों में कैद हैं। शंघाई में जीरो कोविड पालिसी के तहत सख्त लाकडाउन लगाया गया है। लाकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए शंघाई में चीनी सेना और हेल्थ वर्कर्स का सहारा लिया जा रहा है। यहां तक कि संक्रमित माता-पिता को उनके बच्चों से अलग किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सीएनएन ने बताया कि ये परिस्थितियां सरकार के खिलाफ जा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक कमेंट भी वायरल हो रहा है। कमेंट में लिखा है, हम कोरोना से नहीं, कोरोना नियंत्रण के उपायों से मारे जा रहे हैं। बता दें कि बुधवार को चीन में कोरोना के 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे। कोरोना की पीक के समय वुहान में साल 2020 में इससे कम केस आए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, मार्च के अंत तक यह वायरस चीन के 31 प्रांतों में से 29 में फैल चुका था।

गरीबों की झोपड़ी, घर या दुकानों पर ना चले बुलडोजर : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर, माफिया तथा भू-माफिया के खिलाफ कार्रवाई की आड़ में गरीबों के घर तथा झोपड़ी गिराने का मामला संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिया है। उन्होंने अधिकारियों से साफ कहा कि किसी गरीब का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा।

अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस तथा गरीबों के प्रति संवेदनशीलता योगी सरकार का पिछले पांच साल मूलमंत्र रहा है। दूसरी पारी में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी सिद्धांत को प्रशासन में आगे बढ़ाया है। जहां एक ओर गरीब कल्याण योजनाओं को नयी तेजी से लागू करना शुरू किया वहीं दूसरी ओर अपराधियों पर लगाम कसने में कोई कसर नही छोड़ी। सरकार का प्रभाव इससे समझ में आता है कि पिछले एक पखवारे में लगभग 80 अपराधी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। माफिया और अवैध कब्जा किये लोगों में सरकार के बुल्डोजर का खौफ है। उत्तर प्रदेश में दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद भी योगी आदित्यनाथ सरकार की गैंगस्टर, माफिया तथा शातिर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इनके कई अवैध निर्माण को जमींदोज किया जा रहा है। इतना ही नहीं इनके कब्जे से सरकारी जमीन को छुड़ाकर गरीबों के लिए घर बनाने की भी योजना बनाई गई है। महानगरों में भी अब गरीबों को आशियाना दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके बाद भी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अवैध निर्माण गिराने के दौरान भी नहीं पर भी किसी गरीब की झोपड़ी या फिर दुकान पर कहीं पर भी बुलडोजर नहीं चलना चाहिए।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दोहराया अगले 5 साल में 20 लाख रोजगार तैयार करने का लक्ष्य, टाइमलाइन भी तय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के बजट में हमने अगले 5 साल में 20 लाख रोजगार तैयार करने का लक्ष्य रखा है। ऐसा काम देश में पहली बार हो रहा है। आज सभी विभागों की मीटिंग ली। हर विभाग के लक्ष्य और टाइमलाइन निर्धारित किए गए। सभी खूब उत्साहित हैं। मुझे विश्वास है कि हम अपना लक्ष्य ज़रूर पूरा करेंगे।

नौकरियां पैदा करने के लिए सरकार 4,500 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जिसमें 2022-23 में 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।एक इलेक्ट्रानिक शहर की स्थापना और राष्ट्रीय राजधानी में रात की अर्थव्यवस्था तथा खुदरा और थोक बाजारों को बढ़ावा देने को बजट में प्रमुखता दी गई है। इसके लिए शापिंग फेस्टिवल का आयोजन होगा। वहीं गांधी नगर मार्केट को एक बेहतर बाजार के रूप में भी स्थापित करना सरकार का लक्ष्य है।

बीते साल की तुलना में बजट 9.86 प्रतिशत अधिक है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नए रोजगार पैदा करने के लिए कई कदमों को उठाने की घोषणा की। बजट में इसके लिए 800 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। बिजली-पानी में छूट समेत कई पुरानी योजनाओं को जारी रखते हुए फिर शिक्षा व स्वास्थ्य पर सबसे अधिक धनराशि का प्रावधान किया गया है। आप सरकार का यह लगातार आठवां बजट है। बता दें कि यह बजट 2014-15 के 30,940 करोड़ रुपये के बजट का ढाई गुना है। बजट प्रस्तुत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था कोविड-19 के प्रभाव से धीरे-धीरे उबर रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार बजट दिल्ली की अर्थव्यवस्था को प्रगति के पथ पर आगे ले जाएगा और इससे रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे। सरकार अपने विभागों और एजेंसियों के लिए बजट आवंटन का रोजगार आडिट भी करवाएगी।

शुरू होगा रोजगार बाजार 2.0

खुदरा व्यापार के व्यापार को व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आनलाइन पोर्टल दिल्ली बाजार शुरू किया जाएगा। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन रोजगार बाजार 2.0 शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य दिल्ली के युवाओं और विशेषकर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना है।

खैरागढ़ में बोले सीएम चौहान छग हमारे कलेजे का टुकड़ा

राजनांदगांव। खैरागढ़ के साल्हेवारा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी सभा की. इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे कलेजे का टुकड़ा है. छत्तीसगढ़ से मेरा भावनात्मक रिश्ता है. मैं मां बम्लेश्वरी माता से प्रार्थना करता हूं कि आपको सुखी रखे, आपके चेहरे पर मुस्कुराहट रहें. इसके साथ ही शिवराज ने भूपेश सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार में यह मुस्कुराहट छीन ली गई है. आज गरीबों को प्लास्टिक मिला चावल दिया जा रहा है. भूपेश सरकार गरीबों का राशन खाने का काम कर रही. राशन ही नहीं मकान भी खा गए. इस दौरान शिवराज ने मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का दिया हुआ राशन, पीएम आवास का पैसे खा गए. भूपेश बघेल को रात में भी रमन सिंह दिखते हैं. भूपेश बघेल बदले की भावना से काम करते हैं. भूपेश बघेल सरकार ने नौजवानों को नौकरी नहीं दी. बेरोजगारी भत्ता देने का वादा भी पूरा नहीं किया. रोजगार देने का काम भाजपा की सरकार करती है.

गृहमंत्री ने लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए अफसरों को दिए निर्देश

दतिया। मप्र के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा शुक्रवार सुबह दतिया पहुंचे जहां स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। श्री मिश्रा दतिया में अगामी 4 मई को माई पीतांबरा की भव्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक में शामिल हुए। गृहमंत्री ने बैठक से पूर्व हनुमानगढ़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मंगल सिंह महाराज जी का माला पहनाकर स्वागत किया। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया दिवस पर माई की शोभायात्रा में प्रवासी भक्त भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उनका सर्वसुविधायुक्त आतिथ्य सुनिश्चित करने के लिए बैठक में भक्तों के निःशुल्क रहने-ठहरने व खान-पान की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति के साथ विचार साझा किए।

खैरागढ़ उपचुनावः राजनांदगांव कलेक्टर और एसपी ने बार्डर एरिया में चेकिंग प्वाइंट्स का लिया जायजा

खैरागढ़। राजनांदगांव कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा और पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने आगामी खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के बार्डर एरिया में चेकिंग प्वाइंट्स का जायजा लिया. साथ ही अन्य तैयारियों का भी मुआयना किया. खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव के दौरान आसामाजिक तत्व अवैध शराब और नशीले पदार्थ आदि विधानसभा क्षेत्र में ना ला सके, इसलिए चेक प्वाइंट्स से गुजरने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की पुलिस चेकिंग करेगी. इसके अलावा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने आज म्यूनिसिपल स्कूल गांधी सभागार राजनांदगांव से फ्लैग मार्च भी निकाला. जो कि शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा.

बेंगलुरु के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल को पुलिस ने बताया फर्जी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी वाले ईमेल के बाद अफरातफरी मच गई।मामले की जांच शुरू हो गई। इसके बाद बेंगलुरु पूर्वी क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सुब्रम्येश्वर राव ने कहा, हमें आठ स्कूलों से धमकी भरी ईमेल मिलने की शिकायत मिली थी। सारे स्कूलों में अलग ईमेल आईडी का इस्तेमाल हुआ है। यह घटना इन स्कूलों में होने वाली स्स्ष्ट परीक्षाओं के साथ भी मेल खा रहा था। पहले भी जब परीक्षाएं हुई हैं तब भी ऐसी फर्जी धमकी मिले हैं।

बेंगलुरु स्थित स्कूलों को धमकी भरा मेल मिला जिसमें बम विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, धमकी वाले मेल में लिखा है कि स्कूल परिसरों में शक्तिशाली बम लगा दिए गए हैं। इसके बाद सक्रिय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इसके अलावा मेल में ईमेल को मजाक में लेने को लेकर भी चेतावनी दी गई है।

यूक्रेन पर हमले का 44वां दिनः 35 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा घायल

रूस ने डोनेट्स्क के पास रेलवे स्टेशन पर क्रूज मिसाइल दागी

कीव/मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग के 43 दिन पूरे हो चुके हैं। इस बीच रूस ने पूर्वी यूक्रेन के एक रेलवे स्टेशन पर क्रूज मिसाइल से हमला किया है। हमले में 35 लोगों के मारे जाने की खबर है। इनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। हमला डोनेट्स्क के क्रामटोरस्क में हुआ है। डोनेट्स्क के गवर्नर ने बताया कि जिस समय हमला हुआ, उस समय हजारों लोग यहां से बाहर निकलने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। हालांकि रूस ने इस हमले से इनकार किया है।

रूस पर नागरिकों की हत्या का आदेश देने का आरोपः जर्मनी के एक दावे ने यूक्रेन के बूचा शहर में नरसंहार के आरोप झेल रहे रूस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जर्मनी ने कहा है कि उसके इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट ने सेटेलाइट के जरिए रूसी सेना का रेडियो ट्रांसमिशन रिकॉर्ड किया है। इस बातचीत में रूसी सेना के अधिकारी सैनिकों को आम नागरिकों की हत्या करने का आदेश दे रहे हैं। जर्मनी ने इस ऑडियो को रिलीज भी किया है और कहा है कि यह ऑडियो बूचा शहर का हो सकता है, जहां पिछले दिनों सैकड़ों नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। हालांकि रूस ने इसे प्रोपेगैंडा बताते हुए खारिज कर दिया है।

यूक्रेन के बूचा में अटैक के बाद मारे गए लोगों के शव निकाले जा रहे हैं। राहत दल के एक अधिकारी ने कहा- हम घरों से डेड बॉडी निकाल रहे हैं। एक बॉडी के सिर में गोली मारी गई थी। रोड और यार्ड से भी कई लोगों के शव मिले हैं। मृतकों की संख्या इतनी ज्यादा है कि शवों का रैंडम पोस्टमॉर्टम करने का फैसला लिया गया है।

रूस ने पहली बार माना कि जंग में उसकी सेना को हुआ भारी नुकसान

रूस ने पहली बार जंग में हुए अपने सैन्य नुकसान को स्वीकारा है। रूसी सेना के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा- इस युद्ध में काफी रूसी सैनिकों को जान गंवानी पड़ी है। इस दौरान दिमित्री ने मारे गए सैनिकों की संख्या नहीं बताई। इसके पहले रूस ने सिर्फ 1,351 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की थी।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शहीद मंगल पांडेय को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शहीद मंगल पांडेय के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन कर स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में शहीद मंगल पांडेय के चित्र पर माल्यार्पण किया। कुरवाई से विधायक श्री हरि सप्रे तथा वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री बाबूलाल जाट भी उपस्थित थे। देश में आजादी की लड़ाई का पहली बार शंखनाद करने वाले अमर शहीद मंगल पांडेय का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया में हुआ था। वे ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल इंफेन्ट्री के सिपाही थे। उन्हें आजादी की लड़ाई के नायक के रूप में सम्मान दिया जाता है। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर भारत सरकार द्वारा उनके सम्मान में सन् 1984 में डाक टिकट जारी किया गया। अंग्रेजों को डर था कि क्रांतिकारी मंगल पांडेय ने विद्रोह की जो चिंगारी जलाई है, वह देश में कहीं ज्वाला न बन जाए। इसलिए तय तारीख से 10 दिन पहले ही 8 अप्रैल 1857 को मंगल पांडेय को फाँसी दे दी गई।

19 लाख परिवारों ने लिया अन्न उत्सव में खाद्यान्न : खाद्य मंत्री

भोपाल। आजादी का अमृत महोत्सव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने बताया कि गुरूवार को आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित अन्न उत्सव में प्रदेश भर के 19 लाख से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया। इसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 99 हजार 174 परिवार और प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 10 लाख 55 हजार 66 परिवारों ने खाद्यान्न प्राप्त किया। खाद्य मंत्री श्री सिंह ने अनूपपुर में खाद्यान्न वितरण के पश्चात यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कटनी में हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरित किया। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश भर कोरोना काल से प्रारंभ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न मार्च 2022 तक वितरित किया जाना था।

भोपाल की दो बिल्डिंग में भीषण आग

उद्यमिता भवन की चौथीं मंजिल पर बड़ी आग, 3 घंटे में काबू पाया

» इसके बाद भी निकलती रही चिंगारी

भोपाल

राजधानी भोपाल में शुक्रवार सुबह दो बिल्डिंगों में भीषण आग लग गई। सबसे पहले सुबह 6 बजे जेल पहाड़ी स्थित उद्यमिता भवन में बड़ी आग लगी। इसके कुछ देर बाद ही एमपी नगर की एक प्राइवेट बिल्डिंग में आग लग गई। दोनों जगह आग पर काबू पाने में पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों को खासी मशक्कत करना पड़ी। उद्यमिता भवन में MPIDC के ऑफिस में लगी आग पर करीब 3 घंटे में काबू पा लिया गया, लेकिन चिंगारी दोपहर तक निकलती रही। 30 से ज्यादा दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया। जेल पहाड़ी स्थित उद्यमिता भवन में MPIDC (एमपी इंस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) का ऑफिस है। इसमें सुबह आग लग गई। आग से फर्नीचर, एसी-कूलर, पंखे, जरूरी दस्तावेज आदि जलकर राख हो गए। हालांकि, आग बुझाने के बावजूद धुआं निकल रहा है। इस कारण किसी को भी भीतर नहीं जाने दिया जा रहा है। फायर ऑफिसर रामेश्वर नील ने बताया, आग लगने की वजह पता नहीं चल पाई है। करीब 20 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस की दमकलें भी आग पर काबू पाने में लगी रही।

चौथीं मंजिल पर आग बुझाना बड़ी चुनौती बनी

आग ने बिल्डिंग की पूरी चौथीं मंजिल को आग में घेर लिया था। करीब 80 फीट की ऊंचाई पर लगी आग को बुझाने की फायरकर्मियों के लिए बड़ी चुनौती रही। इसके लिए क्रेन की मदद भी ली गई। बिल्डिंग के चारों तरफ दमकलें लगाई गई। फ्रंट साइड में शीशे तोड़कर अंदर पानी की बौंछार की गई।

एक पर काबू पाते, तभी दूसरी जगह की आ गई खबर

फायर ऑफिसर नील ने बताया, उद्यमिता भवन में लगी आग पर काबू पाते, इससे पहले एमपी नगर में आग लगने की खबर आ गई। वहां भी दमकलें भेजी गई। प्राइवेट बिल्डिंग में भीषण आग लगी हुई थी। वहां भी करीब 3 घंटे में काबू पाया जा सका।

देश में पहली बार मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरूआत

मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा में निरंतर हो रहे नवाचार

भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में लगातार नवाचार किये जा रहे हैं। इन नवाचारों की श्रृंखला में एक कदम और बढ़ाते हुए 卐मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन%%की शुरूआत की गई है। मिशन से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सकीय उपचार की नवीनतम तकनीक, नवाचारों एवं शोध के विभिन्न आयामों को मध्यप्रदेश के चिकित्सकों एवं चिकित्सा छात्रों तक पहुँचाया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन कार्यालय का शुभारंभ कर बताया कि मिशन में विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। देश-विदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों (शासकीय एवं निजी) के साथ शिक्षा, अनुसंधान और उपचार के लिए एमओयू किये जाएंगे। चिकित्सीय छात्रों एवं चिकित्सकों के लिए ट्रेनिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, नॉलेज एक्सचेंज, एक्पोज़र विजिट प्रोग्राम आदि कार्यक्रम तैयार किये जायेंगे। नॉलेज एक्सचेंज इंटरेक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिससे चिकित्सीय छात्र एवं चिकित्सक अपने अनुभव, रिसर्च कार्यों एवं अन्य नवाचारों को एक-दूसरे से डिजिटल रूप से साझा कर सकेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नवीनतम तकनीकों (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस-ढ्ढ) एवं गूगल तथा माइक्रोसॉफ्ट आधारित आधुनिक सॉफ्टवेयर का उपयोग चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सकीय व्यवस्था क्षेत्र में किये जाने पर कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बदनावर में मेसर्स एंडुराफेब की नवीन औद्योगिक इकाई का वर्चुअल भूमि-पूजन कर संबोधित किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केसिया और कचनार के पौधे लगाए

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी पार्क में कुमारी अनुवा पाटणकर और श्री रवि पाटणकर के साथ केसिया और कचनार का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध-रोपण करते हैं। कुमारी अनुवा पेंटिंग, स्केचिंग और वृक्षा-रोपण करने और उनकी देखभाल करने के लिए बच्चों और किशोरों को प्रेरित करती हैं। कुमारी अनुवा ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को स्केच भेंट किया। आज लगाया गया कचनार, सुंदर फूलों वाला वृक्ष है। कचनार के छोटे अथवा मध्यम ऊँचाई के वृक्ष पूरे भारत में पाए जाते हैं। कचनार औषधीय गुणों से भरपूर है। केसिया की छाल और पत्तियों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाएँ बनाने में किया जाता है।

मिशन में अब तक इंदौर संभाग और सीहोर जिला अव्वल

जल जीवन मिशन में करीब 4300 ग्रामों के हर घर पहुँचा जल

भोपाल

जल जीवन मिशन में ग्रामीण परिवारों को उनके घर में ही नल कनेक्शन के जरिये पेयजल उपलब्ध करवाने का कार्य तेजी से जारी है। प्रदेश में संचालित जल-प्रदाय योजनाओं के कार्यों से अब तक 4 हजार 258 ग्रामों के शत-प्रतिशत घरों में जलापूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है। मिशन में इंदौर संभाग, 905 गाँवों के हर घर में नल से जल मुहैया करवाकर प्रदेश में अग्रणी है। वहीं सीहोर जिला भी 258 ग्रामों के हर घर में जल पहुँचाकर अव्वल स्थान पर है। इसके पूर्व बुरहानपुर जिला शत-प्रतिशत ग्रामों में नल से जल उपलब्ध कराने वाला प्रदेश का पहला जिला घोषित हो चुका है। प्रदेश में मिशन के कार्य जून 2020 से प्रारंभ किये गये थे। बीते वर्ष 2020-21 और 2021-22 (22 माहों) में 48 लाख 69 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों तक जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्रदेश के 4 हजार 258 गाँव ऐसे हैं, जिनके हर परिवार तक नल कनेक्शन से जल की पूर्ति की जा चुकी है। मिशन में शत-प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक जल पहुँचाने वाले ग्रामों की संभाग वार प्रगति में इंदौर संभाग के 905, उज्जैन 754, भोपाल 668, जबलपुर 497, होशंगाबाद 362, ग्वालियर 327, सागर 295, शहडोल 159, मुरैना (चंबल) 151 और रीवा संभाग के 140 ग्राम शामिल हैं।

ओम सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल कोलार में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल

ओम सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, ललिता नगर, कोलार में आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत एवं विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन श्री साई इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडीसिन द्वारा किया गया। शिविर में ओम सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के संचालक महेन्द्र अरजरिया, प्रधान अध्यापिका श्रीमती चंद्रलता अरजरिया एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे एवं उन्हें सम्मान स्वरूप आयुर्वेद औषधी का वितरण किया गया। शिविर में आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य एवं प्रो. डॉ. भारत चौरागड़े द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। डॉ. रोहित जैन, डॉ. रंजीत नारंग, डॉ. हरेन्द्र मोदी द्वारा आयुर्वेदिक औषधियों की प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद औषधी के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

यज्ञ स्वयं नारायण स्वरूप है : पंडित मनोज मिश्रा

सभापति उद्योग एवं सहकारिता विभाग जिला पंचायत जांजगीर कुसुम कमल साव एवं समस्त ग्रामवासी सरखों के द्वारा विश्वकल्याण के लिए आयोजित श्रीविष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होने के लिए क्षेत्र के श्रद्धालुओं की अपार भीड़ लग रही है। यज्ञाचार्य एवं कथा व्यास पं मनोज कुमार मिश्रा पुजारी श्रीराधा कृष्ण मंदिर सिवनी(नैला) वाले व्यास पीठ पर विराजमान होकर यज्ञ की महत्ता को बताया। यज्ञ स्वयं नारायण स्वरूप है यज्ञ में पड़ने वाली आहुति को देवता स्वीकार करते हैं और प्रसन्न होकर यजमान को मनवांछित फल प्रदान करते हैं।इसलिए यज्ञ कार्य को बड़ी सावधानी के साथ संपन्न करना चाहिए।यज्ञ में याज्ञीक आचार्यो और यजमानो के श्रद्धा समर्पण और भक्ति के अनुरूप ही फल की प्राप्ति होती है।सामान्य प्रचलन में यह कहा जाता है कि ब्राह्मण यदि यज्ञ में कोई कमी या मन्त्र जाप में कोई त्रुटि करते हैं तो उसका फल ब्राह्मण को मिलना चाहिए जबकि ऐसा नही होता संकल्प कर लेने के बाद ब्राह्मण के हर अच्छे बुरे कर्म का फल यजमान को प्राप्त होता है इसलिए यज्ञ के आचार्य बनाने के पहले हजान बार विचार करना चाहिए कि जिस ब्राह्मण को यज्ञ में बनाने जा रहा हूँ वह विधि पूर्वक यज्ञ संपन्न करा पायेगा कि नही?

इस संबंध में श्रीमद् भागवत कि कथा में यज्ञ के संबंध में अनेक उदाहरण हैं वैवस्वत मनु महाराज पुत्र प्राप्ति की कामना से मित्रावरुण यज्ञ कराते हैं किन्तु उनकी धर्मपत्नी श्रद्धा ने होता के पास जाकर होता से कन्या प्राप्ति के लिए प्रार्थना करती है तब होता ने मन्त्र में परिवर्तन कर दिया जिससे पुत्र के स्थान पर पुत्री हो गई जिससे राजा प्रसन्न नही हुए और गुरु महाराज वशिष्ठ जी से प्रार्थना किये तब उन्होंने ध्यान करके सभी बातों समझ कर भगवान श्रीहरि नारायण से प्रार्थना करके उस इला नाम की कन्या को पुनः पुत्र के रूप में परिवर्तित कराया आज भी वैज्ञानिकों के द्वारा लिंग परिवर्तन कराया जाता है मगर हमारे शास्त्रीय पद्धति से यज्ञ और यजन के द्वारा बिना आपरेशन के ही यह सब संभव था और है उस पद्धति पर विश्वास करके उसका उपयोग करने की आवश्यकता है। महर्षि त्वष्टा ने भी इंद्र को मारने वाला पुत्र प्रगट हो इस संकल्प से यज्ञ कराया मगर ब्राह्मणों के मंत्रोच्चारण में श्वर में परिवर्तन हो जाने पर इंद्र के द्वारा मरने वाला पुत्र हुआ । इसलिए यज्ञ कराने में सावधानी आवश्यक है यज्ञ परमाणु बम से भी तीव्र किया करने में सक्षम है ।यज्ञ से सभी जीवों का पोषण होती है यज्ञ से वर्षा होती है जिससे अन्न होता है और अन्न ही जीवों के जीवन के लिए परम् आवश्यक है।

व्यासपीठ से पांचवे दिन की कथा में पं मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण भक्तो के प्रेम से रीझते है सांडिल्य ऋषि का पुत्र मधुमंगल जो भगवान् श्रीकृष्ण के बाल सखा थे धन से गरीब थे जब भगवान बछड़े चराने जाते थे तो सखाओं के साथ वह भी जाता था अन्य सखा लोग अनेक प्रकार के पकवान लेकर जाते थे और उनके मन में यह बात आती थी कि हम लोग कन्हैया को पकवान खिलाते हैं और यह मधुमंगल कुछ लाता नही बल्कि हमारे लाये हुए की माता सप्ताह भर पुरानी छाछ की कढ़ी बनाकर देती हैं और कहती इसे श्यामसुन्दर कन्हैया को दे देना मधुमंगल सोचता है कि पुरानी छाछ की कढ़ी को पीकर कन्हैया का तबियत विगड़ जायेगा ऐसा सोचकर स्वयं पीने लगता है तब कन्हैया दौड़ते है उन्हें दौड़कर अपनी तरफ आते हुए देखकर मधुमंगल मटकी को फोड़ देता हैं फिर भी श्यामसुन्दर कन्हैया मधुमंगल को गले से लगाकर कढ़ी से सने हुए उसके होठ को चाटने लगते हैं जिसे देखकर ब्रह्मा जी भी मोहित हो गए।

न्यूज ब्रीफ

शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने स्कूलों का किया जा रहा सघन निरीक्षण

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। जिले में संचालित स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, संकुल शैक्षिक समन्वयक, संकुल केन्द्र प्रभारी द्वारा स्कूलों का नियमित रूप से सघन निरीक्षण किया जा रहा है। ज्ञात हो कि स्कूलों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए विगत 25 मार्च से स्कूलों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों पर अवैतनिक की कार्रवाई की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 7 अप्रैल को स्कूलों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विकासखण्ड गौरेला में 2 और मरवाही में 3 शिक्षक अनुपस्थित पाये गये। अनुपस्थिति शिक्षकों को उक्त दिवस अवैतनिक किये जाने के निर्देश दिये हैं।

सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर पलटने से चार की मृत्यु

महासमुंद । महासमुंद के सरायपाली ब्लॉक के भालूकोना में आज दोपहर एक सड़क दुर्घटना में अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलटने से चार लोगों की मृत्यु हो गई। जिसमें दो महिला और दो पुरूष है। दुर्घटना में 7 लोग घायल हुए है। सरायपाली एसडीएम श्रीमती नम्रता जैन सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। घायलों को बसना अस्पताल उपचार हेतु पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार जारी है उनकी हालत पहले से ठीक बताई गई है। तीन गंभीर रूप से घायलों को उचित उपचार हेतु महासमुंद भेजा गया। उन्होंने अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना और उनसे बातचीत की। उन्होंने चिकित्सकों को सभी जरूरी उपचार करने कहा। मिली जानकारी अनुसार ट्रैक्टर में काफी लोग सवार होकर भालूकोना कार्यक्रम में जा रहे थे। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें ट्रैक्टर ट्रॉली में दबने की वजह से चार लोगों की मौत हो गयी और कुछ लोग घायल हो गए। घायलों का उपचार जारी है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार क्षीरसागर ने सभी घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम से दुर्घटना की पूरी जानकारी ली और जांच के निर्देश दिए।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 251 जोड़े बंधे दाम्पत्य जीवन में

सीएम ने जिलेवासियों को 127.83 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी

नव सर्वेक्षित गांव के 500 किसानों को मसाहती खसरा का किया वितरण

रायपुर। विकास कार्यों की सौगात दीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नारायणपुर प्रवास के दौरान नारायणपुर वासियों को 127 करोड़ 83 लाख रूपये लागत के 101 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इनमें से 72 करोड़ 8 लाख 25 हजार रूपए की लागत के 46 विकास कार्यों का लोकार्पण और 55 करोड़ 75 लाख रूपये की लागत के 55 विकासकार्यों का भूमिपूजन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री बघेल सामूहिक कन्या विवाह योजना में नव विवाहित 251 जोड़ों को उनके खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को चेक एवं उनकी जरूरत के समानों का वितरण भी किया।

विकास कार्यों की सौगात दी

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में अबूझमाड़ क्षेत्र के 500 किसानों को मसाहती पट्टे वितरित किये। श्री बघेल ने समाज कल्याण विभाग के 36 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र, ट्रायसिकल, बैटरी चलित ट्रायसिकल, दिव्यांगजन विशिष्ट पहचान कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजनातर्गत राशि प्रदाय, रेशम विभाग के हितग्राहियों को 100 नग टसर बुनियादी रीलिंग मशीन, महिला रेशम कृमिपालन समूह को चेक वितरण, कृषि विभाग के हितग्राहियों को उड़द बीज, स्पेयर पंप, स्प्रिंकलर, श्रम विभाग के हितग्राहियों को भागिनी प्रसूति सहायता योजना और मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना में सहायता राशि के चेक, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांगजन सहायता योजना के चेक एवं 26 हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र का वितरण किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नारायणपुर जिले जिन विकास कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें ब्रेहबेड़ा से मेटाडोंगरी वृहद पुल निर्माण लागत 7 करोड़ 67 लाख रूपए, जिला नारायणपुर में सर्किट हाउस का निर्माण कार्य लागत 5 करोड़ 89 लाख रूपए, सुलेंगा से तिरकानार 5 करोड़ 50 लाख रूपए, नारायणपुर में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रशासनिक एकेडमिक भवन निर्माण लागत 5 करोड़ 55 लाख रूपए, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण अंतर्गत ग्राम महिमागवाड़ी से ताडोनार तक सड़क निर्माण लागत 3 करोड़ 20 लाख रूपए, स्कूलपारा से कोहकापारा लागत 3 करोड़ 33 लाख रूपए, नयापारा कुकड़ाझोर से खासपारा के लिए लागत 3 करोड़ 35 लाख रूपए सहित अन्य विकास कार्य शामिल है। इसी तरह मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल नारायणुर जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत 24 करोड़ 72 लाख रूपए की लागत से स्थापित होने वाली 36 सोलर आधारित नल-जल योजना, खोडगांव से चिचाडीपारा लागत 6 करोड़ 22 लाख रूपए, जल जीवन मिशन अंतर्गत सोलर ड्यूल पंपों की स्थापना कार्य लागत 5 करोड़ रूपए, मढोनार से कावानार लागत 3 करोड़ 82 लाख रूपए, 37 नवीन आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कार्य लागत 2 करोड़ 5 लाख रूपए सहित अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

स्कूल का नाम बदलने पर छात्र -छात्राओं ने किया चक्काजाम

महासमुंद। शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक शाला महासमुंद के छात्र -छात्राएं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले एनएच-353 पर बरोण्डा चौक के पास चक्का जाम कर दिया. छात्रों की मांग है कि उनके स्कूल का नाम बदलकर स्वामी आत्मानंद हिन्दी मीडियम स्कूल न रखा जाए. इसको लेकर छात्र-छात्राओं ने एवीबीपी के साथ मिलकर कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंप चुके हैं. बता दें कि, छात्र-छात्राओं ने स्कूल के नाम में बदलाव को लेकर एनएच-353 को जाम कर नारेबाजी की. चक्काजाम लगभग एक घंटे तक चला. सूचना पर पुलिस, शिक्षा विभाग के आला अधिकारी और एसडीएम मौके पर पहुंचकर बच्चों को समझाने का प्रयास किया,पर बच्चे मानने को तैयार नहीं थे. हालांकि उसके बाद पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए एवीबीपी के लोगों को जबरिया उठाकर बस में बिठाया. इस बीच पुलिस नाबालिग छात्रों को भी घसीटते हुए बर्बरता पूर्वक गाड़ी में बिठाया, तब जाकर चक्काजाम खत्म हुआ.

युवक की खुदकुशी मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। युवक की खुदकुशी मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के मुताबिक मृतक संदेही आरोपी राहुल, योगेश, अमन, अंकुर, उमेश के द्वारा आईपीएल सट्टा खेलने के नाम से रूपये पैसे की लेन-देन के नाम पर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित कर रहे थे तथा तनुजा माखिजा उर्फ वंशिका जोधानी के व्हाट्सएप नम्बर 9691439440 में मृतक के व्हाट्एप मोबाईल नम्बर 9343563363, 8770838951 से मोबाईल चैट संदेही आरोपियान द्वारा आईपीएल सट्टा खेलने के नाम पर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित करने से मृतक के द्वारा श्री कृष्णा नगर गुढियारी के मकान नं. 43 में चैथी मंजिल से कुदकर आत्म हत्या कर दिया गया। आरोपी संदेहियो के द्वारा आत्म हत्या के लिए दुष्प्रेरण करना पाया गया. जो अपराध धारा 306,34 भादवि का होना पाये जाने से अप.क्र. 18/22 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, विवेचना दौरान आरोपियों की पतासाजी लगातार हर संभव प्रयास किया गया जो दिनांक 07.04.2022 को इंदौर मध्यप्रदेश में दबिश देकर आरोपी अंकुर वासवानी एवं अमर रावलानी को गिरफ्तार कर थाना गुढियारी लाया गया।

कलेक्टर, डीएफओ देर रात निकले गश्ती में, वन्य प्राणी एवं वनों को आग से बचाने सुरक्षा उपायों का लिया जायजा

बलौदाबाजार। कलेक्टर डोमन सिंह एवं वनमंडलाधिकारी के.आर.बढ़ाई देर रात बारनवापारा अभ्यारण्य के जंगलों में वन्य प्राणी एवं वनों को आग से बचाने सुरक्षा के उपायों का जायजा लिया। उन्होंने बारनवापारा अभ्यारण्य के संवेदनशील क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से मिलकर वनों को आग से बचाने के लिए सहयोग करने की अपील की। साथ ही ग्रामवासियों को कहा कि जंगल में कहीं भी आग लगती है तो वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल अवगत कराएं एवं नैतिक दायित्व समझते हुए जंगल को आग बुझाने में मदद करें। इस दौरान डी के जंक्शन बैरियर एवं कोठारी नाका के कर्मचारियों से आगजनी एवं वन्य प्राणी के मौजूदगी संबंधित जानकारी हासिल की। निरीक्षण के दौरान रास्ते में चीतल, गौर के समूह का दीदार हुआ। गौरतलब है कि बारनवापारा के जंगलों में अभी तक किसी प्रकार की आगजनी की घटना नहीं हुई हैं। इस दौरान वनमंडलाधिकारी के.आर.बढ़ाई, तहसीलदार कसडोल सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शिवरीनारायण में राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता में 9 को विस अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत होंगे शामिल

रायपुर। रामनवमी के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शिवरीनारायण में रामायण मंडलियों के गायन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कल 9 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ.रामसुंदर दास करेंगे। इस तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता के दूसरे दिन देश-प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकार भी मानस गायन की प्रस्तुति देंगे। इस दिन शाम को मुंबई की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल की प्रस्तुति और इंदिरा कला संगीता विश्वविद्यालय खैरागढ़ की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी। प्रतियोगिता में 25 जिलों की चयनित मानस मंडलियों के लगभग 350 कलाकार अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता में मानस मण्डलियों को प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार 2 लाख रुपए विजेताओं को प्रदान किए जाएंगे।

गौठानों में ना हो पानी और चारा की दिक्कत

कलेक्टर ने ग्रामीण गौठानों की समीक्षा के दौरान दिए निर्देश

धमतरी। ज़िले के ग्रामीण गौठानों में गोधन न्याय योजना की प्रगति की समीक्षा आज कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने की। गौरतलब है कि ज़िले में पिछले छः और सात अप्रैल को आयोजित किए गए %गौठान पहुंच दिवस% कार्यक्रम के बाद आज कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्र के 282 निर्मित गौठानों के नोडल और क्लस्टर नोडल की बैठक ली। पिछले दो दिनों में क्लस्टर नोडल अपने क्लस्टर के गौठानों का घूम-घूमकर मुआयना किए हैं। इसमें ग्रामीण, शहरी और आवर्ती चराई के गौठानों का भ्रमण के बाद क्लस्टर नोडल द्वारा चेकलिस्ट में जानकारी भरकर उपलब्ध कराई गई है। उस आधार पर आज डीब्रीफिंग बैठक ली गई। बैठक में गौठानों में गोबर खरीदी, हितग्राहियों को भुगतान, तैयार खाद और उसकी बिक्री, तैयार वर्मी टांके, गौठान मैप में एंट्री, अधोसंरचना की स्थिति, समस्या और महिला समूहों की मांग की बारी-बारी से समीक्षा की गई। इसके अलावा ग्रामीण गौठानों में कार्यरत महिला समूहों की रुचि अनुरूप उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रस्ताव बनाकर देने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। वर्तमान में ज़िले के कुल 282 में 249 ग्रामीण गौठान क्रियाशील हैं। मार्च माहांत तक सक्रिय गौठानों में कुल दो लाख 69 हजार 434 क्विंटल गोबर खरीदी की गई। इसके एवज में कुल आठ हजार 750 हितग्राहियों को पांच करोड़ 38 लाख 88 हजार 976 रुपए का भुगतान किया गया ।

गौसेवा आयोग अध्यक्ष ने शिवरीनारायण में राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

रायपुर। गायन प्रतियोगिता का किया शुभारंभछत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महन्त डॉ राम सुन्दर दास ने आज शिवरीनारायण के मेला ग्राउंड में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। रामनवमी तथा राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत प्रसिद्ध तीर्थ शिवरीनारायण में पूर्ण हो चुके प्रथम चरण के विकास कार्यों के लोकार्पण के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शिवरीनारायण में रामायण मंडलियों के गायन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 8 से 10 अप्रैल तक आयोजित की गई है। राज्य स्तरीय मानस गायन प्रतियोगिता में 25 जिलों की चयनित मानस मंडलियों के लगभग 350 कलाकार 8-9 और 10 अप्रैल को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान पर आने वाली रामायण मंडलियों को पुरस्कृत करेंगे। प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार 2 लाख रुपए विजेताओं को प्रदान किए जाएंगे।

जय सतनाम महिला स्व सहायता समूह बंधवा की शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन द्वारा चावल शक्कर मिट्टी तेल गबन करने का आरोप

लोरमी अनुविभागीय अधिकारी को ग्रामीणों के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया

हरजीत कुमार

मुंगेली। मुंगेली जिला के लोरमी क्षेत्र के ग्राम पंचायत बंधवा का जहां पर बंधवा के ग्रामीणों कुमार दास बघेल से मिली जानकारी के अनुसार कुमार दास बघेल का कहना है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालक महिला समूह जय सतनाम महिला स्व सहायता समूह के द्वारा संचालित किया जाता है जिसका सेल्समैन भवानी प्रसाद माथुर हैं इसके द्वारा गांव के प्रत्येक व्यक्ति का कम से कम 2 से 3 माह का चावल नहीं दिया गया है जिसमें बताया जा रहा है कि 22 कट्टी का चावल चोरी हुआ था,जिसका सूचना समूह के संचालन भवानी माथुर के द्वारा थाने में किया गया था, लेकिन कुछ दिन के बाद थाने से अपना केस वापस ले लिया था, यह कहकर कि मैं अपना घर का धान कुटाई करके भरपाई करूंगा ,वो भी आज तक नहीं किया,और प्रत्येक हितग्राही का दिसंबर माह का चावल लगभग 200 राशनकार्ड धारी का चालव में 5-5 किलो का कटौती किया गया है, जिसका कारण अभी तक नही बताया गया है और सेल्समैन भवानी प्रसाद माथुर के घर जाने पर उसकी मां के द्वारा भवानी प्रसाद नही कहकर बहाना करके भगा घर से भगा दिया जाता है, वही जिस व्यक्ति का फिंगर नहीं आने पर सेल्समैन के द्वारा उनको राशन नही दिया जाता है और कहा जाता है कि मै पंचायत का प्रस्ताव को नही मानूंगा आप लोग कलेक्टर साहब से परमिशन लेके आओ तब आपको चावल दिया जायेगा कहके भगा दिया जाता है हम लोग गरीब किसान है दो वर्षो से आज तक मिट्टी का तेल का वितरण नही किया गया है मिट्टी के तेल के लिए बोलने पर मिट्टी का तेल शासन से अब नही मिलने का बात करते हुऐ नही देते है जय सतनाम महिला स्व. सहायता समूह बंधवा के खिलाफ व उसके संचालक सेल्समैन के खिलाफ उचित जाँच कर कार्यवाही करने के लिए लोरमी अनुविभागीय अधिकारी को ग्राम बंधवा के ग्रामीणों के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया, वही इस बीच उपस्थित रहे ग्राम पंचायत बंधवा के सरपंच ,कुमार दास, चंन्दप्रकाश खाण्डे ,अजय,देवलाल दिवाकर, गीता उपसरपंच, जोगेन्द्र कोशले, प्रकाश, अजब साकत, आदि ।

संपादकीय

घाटी में बंदूक

कश्मीर घाटी में एक बार फिर दहशतगर्द सक्रिय हो गए हैं। पिछले दो दिनों में अलग-अलग जगहों पर उन्होंने सात लोगों पर हमला किया। उनमें एक कश्मीरी पंडित, चार गैर-कश्मीरी और दो सुरक्षाकर्मी थे। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब उन्होंने गैर-कश्मीरी लोगों पर हमला किया। इसके पहले भी बिहार, पंजाब आदि राज्यों से वहां मजदूरी करने गए या रोजी-रोटी के दूसरे कामों में लगे लोगों पर हमले हुए। गैर-कश्मीरी लोगों पर हमले के पीछे उनका मकसद साफ है। वे उन्हें घाटी से बाहर भगाना चाहते हैं।

इसी तरह एक कश्मीरी पंडित पर हमले के पीछे भी उनका इरादा जाहिर है। जिस कश्मीरी पंडित पर अभी हमला किया गया, वह वहां पिछले तीस सालों से रह रहा था। दवा की दुकान चलाता था। कुछ महीने पहले भी इसी तरह एक दवा विक्रेता कश्मीरी पंडित को मार डाला गया था। हालांकि कहा जाता रहा है कि पलायन के बाद जो कश्मीरी पंडित घाटी में रह गए थे, उन्हें वहां के मुसलिम तंग नहीं करते, उनके साथ भाईचारा निभाते हैं। दहशतगर्द भी उन्हें घाटी से भगाने का प्रयास करते नहीं देखे गए। मगर अब उन पर हमले शुरू हो गए हैं, तो स्वाभाविक ही इसे लेकर कई तरह की चर्चा होने लगी है।

इस सवाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि क्या दहशतगर्दों ने एक बार फिर से कश्मीरी पंडितों और वहां रह रहे हिंदुओं के प्रति नजर टेढ़ी कर ली है। कुछ दिनों पहले कश्मीरी पंडितों के घाटी से पलायन पर एक फिल्म आई थी, जिसमें उन पर हुए जुल्म की कहानी कही गई थी। उस फिल्म को लेकर लोगों में खासा रोष देखा गया। कई जगह उत्तेजना में हिंसक झड़पें भी हुईं। इस तरह कश्मीरी मुसलमानों के प्रति एक नकारात्मक माहौल भी बनता दिखा। पूछा जा रहा है कि क्या उसकी प्रतिक्रिया में अब घाटी के दहशतगर्द ऐसी हरकतें करने लगे हैं।

अगर ऐसा है, तो यह अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। इन घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षाबलों से अतिरिक्त सावधानी की अपेक्षा की जाती है। सेना पर तो वे इस इरादे से हमले करते रहे हैं कि वे सरकार की सुरक्षा-व्यवस्था को चुनौती देना और अपनी मौजूदगी का एहसास कराना चाहते हैं। लेकिन अगर वहां रह रहे लोगों पर वे नफरत के साथ निशाना साधना शुरू करेंगे, तो घाटी का माहौल काफी बिगड़ सकता है। ध्यान रखने की जरूरत है कि जिस तरह पहले कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में चूक हुई थी, वैसा इस बार न होने पाए।

हालांकि सरकार दावा करती रही है कि घाटी से आतंकी संगठनों का काफी हद तक सफाया हो चुका है। पिछले कुछ सालों में दहशतगर्दी में काफी कमी आई है। मगर हकीकत यह है कि आए दिन आतंकवादी सुरक्षाबलों को निशाना बनाने में कामयाब हो जाते हैं। जाहिर है, रिहाइशी इलाकों में उनकी मौजूदगी अभी बनी हुई है और नए आतंकियों की भर्ती भी नहीं रुकी है।

यानी कश्मीरी युवाओं को गुमराह होने से रोकने की कोशिशें कामयाब नहीं हो पा रही हैं और न स्थानीय लोगों को आतंकियों के खिलाफ खड़ा किया जा सका है। ऐसे में घाटी से आतंकवाद के सफाए के उपाय शायद ही कारगर होंगे। केवल बंदूक के बल पर इस समस्या पर काबू पाना कठिन बना रहेगा। इस मामले में नए सिरे से रणनीति बनाने और आतंकियों के निशाने पर आ गए लोगों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे।

कैसे बने भारत खुशहाल

आज के युग में खुशी का संबंध आर्थिक संपन्नता से ज्यादा जुड़ गया है। व्यक्ति जब आर्थिक रूप से संपन्न होता है तो वह स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास जैसी मदों पर अधिक खर्च कर पाने की हैसियत रखता है। व्यावहारिक रूप से यह उचित इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि बिना बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास के खुशहाल जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती। सच्चाई यह भी है कि व्यक्ति जब स्वस्थ रहेगा, तभी वह खुश भी रह पाएगा। पर बिना आर्थिक संपन्नता के खुश रहने की बात करना आज के युग में बेमानी ही है। विभिन्न देशों में खुशहाली के आकलन के लिए खुशहाली सूचकांक की कसौटी पर लोगों की खुशी का अनुमान लगाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र सतत विकास कार्यक्रम के तहत की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से हर साल वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट जारी की जाती है। पहली वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट वर्ष 2012 में आई थी। इसके बाद दुनियाभर में आर्थिक विकास के साथ-साथ खुशहाली को भी महत्ता दी जाने लगी। बहरहाल, वैश्विक खुशहाली सूचकांक की ताजा रिपोर्ट पिछले महीने आई।

(कुंदन कुमार)

सवाल है कि भारत खुशहाली के वैश्विक पायदान में ऊपर कैसे आए! कैसे हम दुनिया को यह संदेश दें कि हम भी किसी से कम खुशहाल नहीं हैं। जाहिर है, इसके लिए व्यवस्थागत स्तर पर आमूलचूल बदलावों के साथ प्रयास करने होंगे। भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों से निपटना होगा। नौजवानों को रोजगार देना होगा। भारत में आज बेरोजगारी चरम पर है। देश की युवा आबादी के लिए यह संकट कम गंभीर नहीं है।

आज के युग में खुशी का संबंध आर्थिक संपन्नता से ज्यादा जुड़ गया है। व्यक्ति जब आर्थिक रूप से संपन्न होता है तो वह स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास जैसी मदों पर अधिक खर्च कर पाने की हैसियत रखता है। व्यावहारिक रूप से यह उचित इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि बिना बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास के खुशहाल जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती। सच्चाई यह भी है कि व्यक्ति जब स्वस्थ रहेगा, तभी वह खुश भी रह पाएगा। पर बिना आर्थिक संपन्नता के खुश रहने की बात करना आज के युग में बेमानी ही है।

विभिन्न देशों में खुशहाली के आकलन के लिए खुशहाली सूचकांक की कसौटी पर लोगों की खुशी का अनुमान लगाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र सतत विकास कार्यक्रम के तहत की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से हर साल वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट जारी की जाती है। पहली वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट वर्ष 2012 में आई थी। इसके बाद दुनियाभर में आर्थिक विकास के साथ-साथ खुशहाली को भी महत्ता दी जाने लगी। बहरहाल, वैश्विक खुशहाली सूचकांक की ताजा रिपोर्ट पिछले महीने आई।

रिपोर्ट बताती है कि खुशहाली के मामले में पिछले साल यानी 2021 में दुनिया के एक सौ उनचास देशों में भारत का स्थान एक सौ उनतालीसवां रहा। इससे पता चलता है कि हमारे देश में लोग कितने खुशहाल हैं! यह गंभीर बात इसलिए भी है जो देश अगले पांच-दस साल में दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावे कर रहा है, उसकी हालत यह है कि दुनिया के सिर्फ दस देशों के नागरिकों ही खुशहाली के मामले में उससे नीचे हैं, बाकी एक सौ उनतीस देशों के लोग उससे ज्यादा खुशहाल की जिंदगी जी रहे हैं।

खुशहाली सूचकांक में पूर्व के वर्षों में भी भारत की स्थिति बेहतर नहीं रही है। वर्ष 2020 की रिपोर्ट में भी भारत को सबसे नीचे के दस देशों में स्थान मिला था। उस समय एक सौ तिरपन देशों की सूची में भारत एक सौ चवालीसवें स्थान पर था। वर्ष 2019 में भी हम एक सौ छप्पन देशों की सूची में एक सौ चालीसवें स्थान पर थे। 2018 में एक सौ तैंतीसवां स्थान था। यानी दुनिया में शांति और खुशहाली का संदेश देने वाले हमारे देश में खुशहाली की स्थिति लगातार चिंताजनक ही बनी हुई है।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर क्यों हम खुशहाल नहीं हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, भरपूर संसाधन, सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से सशक्त और आर्थिक रूप से भी मजबूत होने का दावा करने के बावजूद अगर हम खुशहाली के निर्धारित वैश्विक पैमाने पर खरे नहीं उतर रहे हैं, तो यह हमारी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

वैश्विक खुशहाली की रिपोर्ट बता रही है कि हमारे पड़ोसी देशों के नागरिक हमसे ज्यादा खुशहाल जिदंगी गुजार रहे हैं। रिपोर्ट में चीन चौरासीवें, नेपाल सत्तासीवें, बांग्लादेश एक सौ एक, पाकिस्तान एक सौ पांच और श्रीलंका एक सौ उनतीसवें स्थान पर आया है। दूसरी ओर, सबसे खुशहाल देशों में फिनलैंड है। फिनलैंड आज से नहीं, बल्कि पिछले चार साल से लगातार अव्वल बना हुआ है।

फिनलैंड के बाद दूसरे स्थान पर डेनमार्क, तीसरे पर स्विटजरलैंड, चौथे पर आइसलैंड और पांचवें पर नीदरलैंड है। सर्वाधिक दस खुशहाल देशों की सूची में नार्वे, स्वीडन, लक्जमबर्ग, न्यूजीलैंड व आस्ट्रिया भी शामिल हैं। बाकी देशों की बात करें, तो जर्मनी तेरहवें, ब्रिटेन सत्रहवें, अमेरिका उन्नीसवें और जापान जापान छप्पनवें स्थान पर है। हालांकि यह सुनने में अजीब लगता है कि जापान जैसा देश जो विकसित देशों में शुमार है और हर लिहाज से संपन्न, फिर भी वहां लोग अपेक्षाकृत कम खुशहाल हैं।

खुशहाली के मामले में सबसे बदतर देशों में अफगानिस्तान है। हालांकि यह मुल्क पिछले कई दशकों से जिस तरह का हिंसक संघर्ष झेल रहा है, उसमें खुशहाल जीवन की कल्पना संभव नहीं है। जिंबाब्वे और रवांडा जैसे गरीब अफ्रीकी देश भी सबसे नीचे के दस देशों में ही हैं। ये दोनों देश लंबे समय से गृहयुद्ध झेल रहे हैं। अगर ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की बात करें, तो इसमें भी भारत की स्थिति सबसे खराब है। खुशहाली के मामले में ब्राजील पैंतीसवें स्थान के साथ सबसे अच्छी स्थिति में है। ब्राजील के बाद रूस छिहत्तरवें, चीन चौरासीवें और दक्षिण अफ्रीका एक सौ तीनवें स्थान है।

दुनिया के अधिकांश देश अब मानने लगे हैं कि विकास एवं लोक नीतियों का सही मानदंड वास्तव में खुशहाली ही है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय सरकारों के साथ-साथ स्थानीय निकाय भी खुशहाली के मानदंडों को अपना कर नीति निर्माण की दिशा में बढ़ने को महत्त्व देने लगे हैं। सजग और उत्तरदायी सरकारें इस कोशिश में लगी हैं कि लोक नीतियों की ऐसी संरचना तैयार की जाए, जिससे नागरिकों के जीवन में खुशहाली का स्तर बढ़ाया जा सके। खुशहाली के मापन के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क ने छह मानदंडों को अपनाया है।

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, लोक विश्वास, उदारता, जीवन विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और सामाजिक सहयोग को खुशहाली का पैमाना बनाया गया है। भारत की बड़ी विडंबना यह है कि खुशहाली और संपन्नता जैसे मुद्दे यहां कभी भी बहस का मुख्य विषय बन ही नहीं पाते। लिहाजा, खुशहाली सूचकांक में इतना पिछड़ने पर कहीं कोई चर्चा भी नहीं होती।

खुशहाली सूचकांक में दूसरे देशों से भारत का पिछड़ना वास्तव में विचारणीय है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में हम दुनिया के विकसित देशों से बहुत पीछे हैं। देश में भ्रष्टाचार का क्या आलम है, यह किसी से छिपा नहीं है। खुशहाली मापन में उदारता को भी शामिल किया गया है। इतिहास गवाह है कि भारत के लोग और शासक कैसे उदार हुआ करते थे। महात्मा बुद्ध से लेकर महात्मा गांधी तक की उदारता की चर्चा आज भी दुनिया करती है। परंतु हमारे देश के लोग उदारता को अब शायद विसराने लगे हैं। धार्मिक उदारता को लेकर भी भारत पर अंगुलियां उठने लगी हैं।

इसी तरह जीवन विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता भी हकीकत में कम ही दिखाई देती है। अपनी पसंद के हिसाब से जीवन जीना महज कागजी ख्यालात भर है। स्वतंत्र जीवन जीने की पहली शर्त है आत्मनिर्भरता और व्यक्ति आत्मनिर्भर तभी होगा जब वह आर्थिक रूप से संपन्न होगा। व्यक्ति जब अपनी पसंद से जीता है, तभी वह खुश भी रह पाता है। जीवन प्रत्याशा भी खुशहाली मापक का एक तत्व है।

जीवन प्रत्याशा इस बात का द्योतक है कि मानव संसाधन पर निवेश कितना किया गया है। भारत में वर्ष 2020 में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.5 वर्ष और महिलाओं की 69.8 वर्ष थी। जबकि फिनलैंड जैसे सबसे खुशहाल देश में औसत जीवन प्रत्याशा 81.1 वर्ष है। भारत में जीवन प्रत्याशा का लगातार कम होना भी खुशहाली सूचकांक में हमारे स्थान को प्रभावित करता है।

सवाल है कि भारत खुशहाली के वैश्विक पायदान में ऊपर कैसे आए? कैसे हम दुनिया को यह संदेश दें कि हम भी किसी से कम खुशहाल नहीं हैं। जाहिर है, इसके लिए व्यवस्थागत स्तर पर आमूलचूल बदलावों के साथ प्रयास करने होंगे। भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों से निपटना होगा। नौजवानों को रोजगार देना होगा। भारत में आज बेरोजगारी चरम पर है। देश की युवा आबादी के लिए यह संकट कम गंभीर नहीं है।

बेरोजगारी के कारण नौजवान पीढ़ी हताशा और अवसाद में डूब रही है और इसकी दुखद परिणति आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के रूप में देखने को मिल रही है। ये सब सरकार की नीतिगत खामियों का नतीजा है। अगर भारत को खुशहाल बनाना है तो हमें उन छोटे-बड़े देशों से सबक लेना चाहिए जिनकी प्राथमिकता अपनी जनता का दर्द दूर करना होती है।

हम ईमानदार नहीं होंगे, तो कानून क्या करेगा?

(आरके राघवन, पूर्व निदेशक, सीबीआई)

बिना कोई दुरुपयोग किए असीम शक्ति रखना सदुण का सर्वोच्च प्रमाण है। यही कहा था प्रसिद्ध अंग्रेजी लेखक और इतिहासकार थॉमस बबिंगटन मैकाले ने। इन्हें हमारे दो कानूनी संहिताओं का मसौदा तैयार करने के लिए याद किया जाता है, 1860 की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और 1872 की आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी)। ये दोनों कानून समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और आज भी आपराधिक न्याय-व्यवस्था के आधार हैं। ये कानून बहुत कठोर हुए बिना ही कानून तोड़ने वालों पर बहुत भारी पड़ते हैं। आधुनिक समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों संहिताओं में बदलाव किए गए हैं। उदाहरण के लिए, 1972 में सीआरपीसी को एक नए पाठ के साथ बदल दिया गया था, यह एक बड़ा सुधार था।

कई समितियों ने यह बताया है कि हमारे आपराधिक कानून को कैसे बेहतर बनाया जाए, ताकि दोषियों को तेजी से और पर्याप्त रूप से दंडित किया जा सके। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण मलिमथ समिति (2003) है, जिसने 158 सिफारिशों वाली एक रिपोर्ट पेश की थी, और जिसने इस तथ्य को सही ढंग से उजागर किया था कि हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पीड़ित के बजाय अपराधी के पक्ष में है।

उदाहरण के लिए, जब एक न्यायाधीश किसी आरोपित व्यक्ति (या व्यक्तियों) के अपराध के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हो जाता है, तब भी उसे या उन्हें मामूली अन्य तकनीकी आधारों पर बरी कर देता है। जैसे, आरोपी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दाखिल करने में देरी, पुष्टि संबंधी कोई कमी, एक साधारण गवाह द्वारा पेश किए गए साक्ष्य और अभियोजन के लिए मंजूरी प्राप्त करने में विफलता जैसी तकनीकी वजहों से भी अभियुक्त बरी हो जाते हैं। अक्सर लोक सेवकों के मामले में अभियोजन को मंजूरी नहीं मिलती है। अपराध के सौ प्रतिशत प्रमाण की खोज, न्याय प्रक्रिया का अति सख्ती से पालन, किसी गवाह की गलतबयानी से भी फैसला प्रभावित हो जाता है।

इसलिए, अपने देश में लगभग हर कोई यह तो जानता है कि रोग क्या है, लेकिन हमें अपराधी को दंडित करने और अपराध को कम करने में मदद के लिए कोई पुख्ता इलाज नहीं मिला है। निस्संदेह, हम कानून में संशोधन के लिए सरकारों की चिंता से प्रभावित हैं, ताकि अपराध के शिकार लोगों को त्वरित गति से न्याय मिल सके।

व्यवस्था में सुधार की सिफारिश के लिए साल 2020 के अंत में गठित एक संसदीय समिति को प्रस्ताव भेजा गया था। हमें बताया गया है कि नागरिकों के साथ सलाह की प्रक्रिया जारी है। यह अच्छा है। हालांकि, हमें किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि व्यवस्था इतनी जटिल है कि अनेक जिम्मेदार लोगों में उत्साह व ईमानदारी की जरूरत है। आज हमारे समाज में दोनों वस्तुएं दुर्लभ हैं- उत्साह और ईमानदारी। हम यहां अधिकारियों की क्षमता और निष्ठा के गिरते स्तर से काफी चिंतित हैं। पुलिसकर्मियों का वेतन बढ़ाने और उनके रहन-सहन में सुधार के लिए बहुत कुछ किया गया है। लेकिन यदि कुछ लोग अभी भी भ्रष्ट हैं, तो हमें भारी सख्ती से पेश आने की जरूरत है। यही बात वकीलों के बारे में भी है, जिनमें से कई न केवल अक्षम हैं, बल्कि संदिग्ध कामों में लिप्त हैं। मुझे याद है, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कुछ मौकों पर उन पर भारी पड़ा है। अत्यधिक संवेदनशील संगठन में संभावित अपराधियों को आने से रोकने की कोई भी कोशिश सुखद है। मुझे आश्चर्य है कि क्या आपराधिक कानून में बदलाव विशेष रूप से बेईमान पुलिस जांचकर्ताओं और अनैतिक वकीलों को निशाना बना सकता है? यदि आवश्यक हो, तो हम इस श्रेणी के अपराधियों से निपटने के लिए एक विशेष अधिनियम बना सकते हैं।

अदालती कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी मजिस्ट्रेट होता है। प्रचलित धारणा यह है कि इस संवर्ग में घोर बेईमानी घुस आई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन निचली न्यायपालिका में सेवा की भयावह स्थितियों और उन पर समान रूप से दयनीय बुनियादी ढांचे का असर समझ में आता है। स्थिति की गंभीरता को समझने के लिए जिले की एक या दो अदालतों में जाना होगा। यदि व्यवस्था में सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार को कम नहीं किया जाता है और अदालतों में बेहतर स्टाफ की व्यवस्था नहीं होती है, तो आपराधिक कानून में संशोधन एक मजाक रह जाएगा। संक्षेप में कहूं, तो हमारी आपराधिक न्याय व्यवस्था की कुछ हद तक दयनीय स्थिति इसलिए नहीं है, क्योंकि हमारे पास दोषपूर्ण कानून हैं, बल्कि व्यवस्था का गठन करने वाले प्रमुख लोग या तो अक्षम या बेईमान हैं या कभी-कभी दोनों हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अनिश्चितता के भंवर में पाकिस्तान

(संजीव पांडेय)

पाकिस्तान का राजनीतिक संकट जल्द समाप्त होता नहीं लगता। मामला अब सर्वोच्च अदालत में है। संविधान की जिस धारा का हवाला देते हुए विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज किया गया और इमरान खान सरकार ने जिस तरह नेशनल असेंबली को भंग करने की सिफारिश की, उसकी वैधता और व्याख्या की जिम्मेवारी अब सर्वोच्च न्यायलय की है। ऐसे में अब सेना क्या करेगी, यह भी देखने की बात होगी।

पाकिस्तान में राजनीतिक संकट और गहरा गया है। नेशनल असेंबली में विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री इमरान खान की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने नेशनल असेंबली भंग कर दी। विपक्ष सुप्रीम कोर्ट चला गया। देश में तीन महीने के भीतर नए चुनाव होने की बात है। जैसे हालात थे, उनमें अगर अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होता, तो इमरान खान सरकार निश्चित तौर पर गिर जाती। इमरान इस बात को समझ चुके थे, इसीलिए उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। हालांकि विशेषज्ञ प्रधानमंत्री और नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष दोनों के कदम को असंवैधानिक बता रहे हैं। इसलिए अब इस मामले पर सबकी नजरें पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट पर लगी हैं।

देखा जाए तो इमरान खान ने विपक्ष और दूसरी ताकतों के सामने झुकने के बजाय जनता के बीच जाना ज्यादा मुनासिब समझा। विपक्ष मान कर चल रहा था कि इमरान जाएंगे और उसे सत्ता मिल जाएगी। पर अब चुनाव मैदान में विपक्ष के लिए भी मुकाबला आसान नहीं रहेगा। हालांकि सेना और इमरान खान के बीच रिश्तों में पिछले कुछ समय तल्खियां दिख रही थीं। दरअसल जैसी कि पाकिस्तान की राजनीति की फितरत रही है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि वहां कोई भी सरकार सेना की मर्जी के बिना सत्ता में टिक नहीं सकती।

इस बार इमरान खान ने अमेरिका के खिलाफ सीधा मोर्चा खोला है। इससे रूस और चीन काफी खुश हैं। लेकिन सेना किसी भी कीमत पर अमेरिका से दूरी नहीं बनाना चाहती। गौरतलब है कि हाल में इस्लामाबाद सुरक्षा संवाद में पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने साफ-साफ कहा कि रूस के साथ पाकिस्तान के संबंध काफी लंबे समय तक ठंडे रहे हैं, जबकि अमेरिका पाकिस्तान का लंबे समय से रणनीतिक सहयोगी रहा है। बाजवा का यह बयान अमेरिका को लेकर इमरान खान के रुख से एकदम विपरीत है। इमरान खान अमेरिका पर खुल कर आरोप लगा रहे हैं कि वह उन्हें सत्ता से हटवाने में लगा है।

आज बेशक इमरान खान अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोले बैठे हैं, लेकिन वे खुद जब नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री रहते इस्लामाबाद में धरने पर बैठे थे, तो वे भी सेना और अमेरिका के इशारे पर ही ये सब कर रहे थे। आज इमरान अमेरिका को कोस रहे हैं। यह कौन भूल सकता है कि इमरान खान ने सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ की खूब तारीफ की थी, जबकि उन्हें पता था कि पाकिस्तान के कबायली इलाकों में अमेरिकी ड्रोन हमले की मंजूरी मुशर्रफ ने ही दी थी। मुशर्रफ के कार्यकाल में ही पश्तून कबीलाई इलाकों पर अमेरिकी ड्रोनों से हमले हुए थे और बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे।

यह भी सच्चाई है कि प्रधानमंत्री रहते इमरान खान ने भी अमेरिका से बेहतर संबंध बनाने के लिए तमाम प्रयास किए। लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने उन्हें वैसा सहयोग नहीं दिया, जो वे चाहते थे। एक तथ्य यह भी है कि जब 2013 में सत्ता में आने के बाद नवाज शरीफ चीन के ज्यादा करीब हो गए थे, तो अमेरिका उनसे खासा नाराज हो गया था। शरीफ के कार्यकाल में ही चीन-पाक आर्थिक गलियारे पर समझौता हुआ था और फिर काम शुरू हुआ। तब इमरान खान ने इस परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। कहा जाता है कि इमरान खान उस समय उसी बाहरी ताकत के इशारे पर ये आरोप लगा रहे थे, जिस पर आज वे खुद अपनी सरकार को अस्थिर करने के आरोप लगा रहे हैं। दरअसल, इमरान खान को यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से नजदीकियां बढ़ाना महंगा पड़ गया है।पाकिस्तान की राजनीति में होते रहने वाले ऐसे तमाम उलट-फेरों के बीच वहां की राजनीतिक संस्कृति को समझना जरूरी है। पाकिस्तान की राजनीतिक संस्कृति की पहली विशेषता राजनीति दलों पर सेना का भारी प्रभाव होना है। दूसरी विशेषता पाकिस्तानी राजनीति में बड़े जमींदारों और उद्योगपतियों का कब्जा है। लेकिन यहां की राजनीतिक संस्कृति की तीसरी विशेषता पंजाब, बलूचिस्तान और सिंध के छोटे-छोटे मजबूत प्रभावी राजनेताओं और दलों का समय के साथ पलटी मारना भी रही है। ये दल और राजनेता सत्ता बदलने में बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं।इन्हें सेना का समर्थन हासिल रहता है। पिछले तीन से चार दशक में सत्ता किसी की हो, ये छोटी पार्टियां सत्ता के साथ रहती आई हैं। इमरान खान सरकार पर आए संकट के दौरान तीन राजनेता और दल चर्चा में रहे। पाकिस्तानी पंजाब में सक्रिय पाकिस्तान मुसलिम लीग (क्यू), सिंध में सक्रिय मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (पाकिस्तान) और खुद इमरान खान की पार्टी के ही बागी जहांगीर तरीन गुट की चर्चा मौजूदा राजनीतिक संकट के दौरान खूब रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (पाकिस्तान) भारत से गए उर्दू भाषी मुसलमानों की पार्टी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट से टूट कर बनी पार्टी है।सिंध के कुछ शहरी इलाकों खासकर कराची शहर में इसका भारी प्रभाव है। 1990 के दशक से यह पार्टी पाकिस्तान में सत्ताधारी दल के साथ सहयोग करती आई है, चाहे सत्ता किसी भी पार्टी की रही हो। सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ के साथ भी इस पार्टी का गजब का तालमेल रहा था। इमरान खान की पार्टी के साथ भी यह सत्ता का मजा ले रही थी और मौका मिलते ही बगावत कर विपक्ष से मिल गई। बताया जाता है कि सेना के इशारे पर एमक्यूएम (पी) ने यह खेल खेला। इमरान खान के लिए बड़ा संकट जहांगीर खान तरीन भी बने। वे बड़े कारोबारी हैं। उनकी अपनी चीनी मिलों से लेकर विमानन कंपनी तक है।पाकिस्तान की राजनीति में सक्रिय जहांगीर तरीन सत्ता के साथ चलने में माहिर हैं। जब उन्हें अहसास हुआ कि इमरान खान पाकिस्तान में सत्ता हासिल कर सकते हैं, तो वे उनके सहयोगी बन गए। लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री और इमरान खान के खास उस्मान बुजदार से उनकी नहीं बनी और वे बगावत पर उतर गए। पाकिस्तानी पंजाब में सक्रिय पाकिस्तान मुसलिम लीग (क्यू) का इतिहास भी यही रहा है।परवेज इलाही और चौधरी शुजात हुसैन की पार्टी मुसलिम लीग (क्यू) सेना की नजदीकी है। दोनों भाई हमेशा सत्ता के साथ रहे, चाहे जिसकी सत्ता रही हो। इमरान खान जब संकट में आए तो पंजाब की मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करने के लिए दोनों ने इमरान पर दबाव बनाया। पहले इमरान खान को डराया और जब इमरान खान ने इन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी देने की हामी भर दी तो ये फिर उनके साथ हो गए।पाकिस्तान का राजनीतिक संकट जल्द समाप्त नहीं होता नहीं लगता। मामला अब सर्वोच्च अदालत में है। संविधान की जिस धारा का हवाला देते हुए विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज किया गया और इमरान खान सरकार ने जिस तरह नेशनल असेंबली को भंग करने की सिफारिश की, उसकी वैधता और व्याख्या की जिम्मेवारी अब सर्वोच्च न्यायलय की है। ऐसे में अब सेना क्या करेगी, यह भी देखने की बात होगी।पाकिस्तान का राजनीतिक संकट रूस और चीन पर भी असर डालेगा। रूस और चीन इस राजनीतिक संकट के बीच क्या रुख अपनाते हैं, यह भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। अमेरिका बेशक यह बोल रहा हो कि पाकिस्तान के संकट से उसका कुछ लेना-देना नहीं है, लेकिन यह सच्चाई है कि इमरान खान ने अमेरिका को राजनीतिक विवाद में घसीट लिया है। दरअसल, लैटिन अमेरिका से लेकर एशियाई देशों के अंदरूनी मामलों में अमेरिकी दखलंदाजी जगजाहिर है। ऐसे में अगर इमरान अपने मंसूबे में सफल हो जाते है, तो यह एशियाई कूटनीति में अमेरिका की भारी पराजय होगी।

आलूबुखारा के फायदे आपको चकित कर देंगे

आलूबुखारा बहुत ही स्वादिष्ट फल है। इसे अंग्रेजी में प्लम के नाम से जाना जाता है। यह खाने में खट्टा-मीठा लगता है। इसे ताजा या सुखाकर भी खाया जाता है। आलूबुखारा के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यदि आपको खाने में नहीं पसंद तो इसके फायदे जानने के बाद आप जरूर खाना शुरू कर देंगे। आइए, जानते हैं लाल व महरून रंग के स्वादिष्ट आलूबुखारे के 13 फायदों के बारे में -

- आलूबुखारे के 100 ग्राम में लगभग 46 कैलोरी होती है। अत: इसमें अन्य फलों की तुलना में कैलोरी काफी कम पाई जाती है। इस कारण से यह आपका वजन नियंत्रित करने में भी बेहद सहायक होता है।
- आलूबुखारे में सैच्युरेटेड फैट या संतृप्त वसा बिल्कुल भी नहीं होता, जिससे इसे खाने के बाद आपको पोषक तत्व भी मिलते हैं और वजन भी नहीं बढ़ता।
- आलूबुखारा डायट्री फाइबर से भरपूर होता है, जिसमें सार्बिटॉल और आईसेटिन प्रमुख हैं। खासतौर पर यह फाइबर्स, शरीर के अंगों के क्रियान्वयन को सरल बनाते हैं, और पाचन क्रिया को भी दुरूस्त करते हैं।
- आलूबुखारे का प्रतिदिन सेवन आपको कब्जियत से राहत दिलाने में मदद करता है साथ ही पेट साफ करने में भी मदद करता है।
- आलूबुखारे में उपस्थित विटामिन-सी आपकी आंखों और त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक है, और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है। इसके इलावा इसमें विटामिन-के एवं बी 6 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- यह रक्त का थक्का बनने से रोकता है, जिससे ब्लडप्रेशर और हृदय रोगों की संभावना कम होती है। इसके साथ ही अल्जाइमर के खतरे को कम करता है।
- आलूबुखारा आपके फेफड़ों को सुरक्षित रखने के साथ ही आपको मुंह के कैंसर से बचाने में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह अस्थमा जैसे रोगों को रोकने में मददगार साबित होता है।
- आलूबुखारा सूरज की यूवी किरणों से आपकी रक्षा करता है, इसके अलावा इसमें विटामिन-ए और बीटा कैरोटीन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों के लिए व अन्य अंगों के लिए फायदेमंद है। यह आंखों की रौशनी भी तेज करता है।
- छिलके के साथ आलूबुखारे का सेवन, ब्रेस्ट कैंसर को रोकने में सहायक होता है। यह कैंसर और ट्यूमर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है।
- महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में आलूबुखारा बेहद सहायक है। रजोनिवृत्ति के उपरांत महिलाएं आलूबुखारे का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस से बचा सकती हैं।
- प्रतिदिन आलूबुखारा खाने और इसका गूदा चेहरे पर लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक चमक आती है, साथ ही त्वचा को सभी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे वह स्वस्थ रहती है।
- आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आपकी त्वचा के साथ ही दिमाग को भी स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं। यह आपके तनाव को कम करने में भी अहम भूमिका निभाता है।
- यह आपके बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आलूबुखारे में आयरन की मात्रा होती है जो ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करती है। पोटैशियम की बहुतायत होने से शरीर के सेल्स स्ट्रांग बनते हैं और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है।

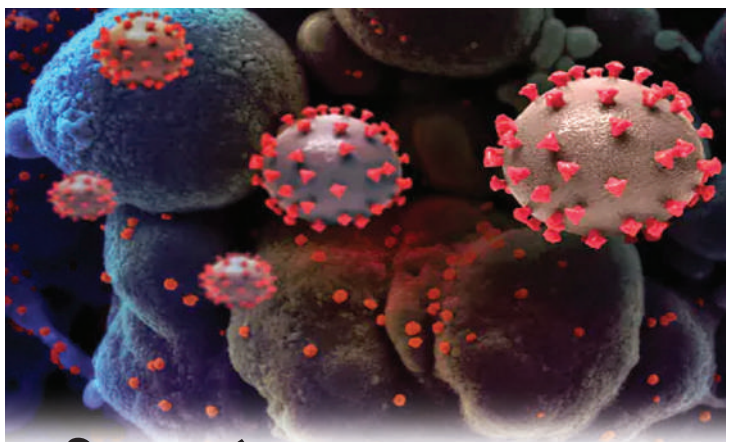

बीए2 से 10 गुना ज्यादा संक्रामक है कोरोना ओमीक्रोन एक्सई वेरिएंट

कोरोना के मामलों में पिछले कई हफ्तों से देखी जा रही राहत के बीच देश में ओमिक्रोन के 'एक्सई' सब-वेरिएंट का पहला केस सामने आया। शहर में बुधवार को इस नए वेरिएंट का एक मरीज पाया गया, वहीं कप्पा वेरिएंट से संक्रमित मरीज की भी पहचान हुई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 376 नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग के दौरान अत्यधिक संक्रामक इन दोनों वेरिएंट के मामले सामने आए। नए स्ट्रेन से संक्रमित दोनों मरीजों की हालत गंभीर नहीं पाई गई है।

बीए2 से 10 गुना ज्यादा संक्रामक

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, एक्सई वेरिएंट ओमीक्रोन के बीए2 सब-वेरिएंट की तुलना में लगभग दस प्रतिशत अधिक संक्रामक नजर आ रहा है। यह चिंता वाली बात हो सकती है क्योंकि अब तक बीए2 सब-वेरिएंट ही कोरोना का सबसे अधिक संक्रामक स्ट्रेन माना जाता था।
बीए.1 और बीए2 का हायब्रिड है एक्सई नया म्यूटेंट वेरिएंट एक्सई ओमीक्रोन के दो वेरिएंट बीए.1 और बीए2 का हायब्रिड है। हालांकि, दुनियाभर में एक्सई कोरोना मामलों की एक छोटी संख्या के लिए ही जिम्मेदार है। वहीं, मौजूदा समय में बीए2 ही सबसे बड़ी संख्या में दुनियाभर के विभिन्न देशों में फैल रहा है।

सबसे पहले ब्रिटेन में मिला

एक्सई का दुनिया में सबसे पहला मामला ब्रिटेन में 19 जनवरी को सामने आया था। ब्रिटेन में एक्सई के तब से अब तक 600 से भी कम मामले सामने आए हैं।
डब्ल्यूएचओ ने कहा, एक्सई को लेकर अभी ज्यादा शोध नहीं हुए हैं। जब तक इसकी अन्य वेरिएंट से तुलना कर इससे होने वाले संभावित खतरों का पता नहीं लगाया जाता तब तक इसे ओमिक्रोन के वेरिएंट के रूप में ही वर्गीकृत किया जाना जारी रहेगा।

एक्सडी और एक्सएफ भी

दुनियाभर में कोरोना के दो नए अन्य वेरिएंट एक्सडी और एक्सएफ के मामले भी सामने आ रहे हैं। फिलहाल, मामले बड़ी संख्या में सामने नहीं आए हैं। ऐसे में इनपर शोध शुरुआती स्तर पर है।

अधिकांश लोगों के दिन की शुरुआत एक कप चाय के साथ होती है। वहीं अगर दिन भर काम करते हुए सुस्ती आने लगे तो भी लोग चाय पीकर फ्रेश फील करते हैं। शाम के पकौड़े और स्नैक्स तो चाय के बिना अधूरे हैं। पर क्या आप जानती हैं कि ज्यादा चाय पीना आपको कई स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी दे सकता है। अगर आप भी ज्यादा चाय पीने की आदी हैं, तो हम इसे छोड़ने में आपकी मदद करने के लिए यहां हैं।

सेहत के लिए अच्छा नहीं है ज्यादा चाय पीना

चाय छोड़ने के आसान उपाय

यदि आप देखते हैं कि आपकी चाय की आदत आपको चिड़चिड़ापन या घबराहट महसूस करवा रही है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि अब आपको अपनी चाय पीने की आदत को कंट्रोल करने की जरूरत है।

धीरे-धीरे कम करें

एकदम से चाय छोड़ने के बजाय प्रतिदिन की खपत में से आधा कप कम करती जाएं। आप सप्ताह भर में ही इसके बेहतर परिणाम देख पाएंगी। एकदम से चाय बिल्कुल बंद करने की कोशिश आपको विदड्रॉल सिम्पटम्स की ओर धकेल सकती है।

पर्याप्त नींद लें

जब आप चाय छोड़ने की कोशिश करती हैं, तो आप थकान, फोकस की कमी या खराब याददाश्त के लक्षणों का सामना कर सकती हैं। इनसे बचने के लिए आपको पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी जाती है। ज्यादातर महिलाएं ज्यादा काम करने या देर रात जागने के लिए भी चाय का सहारा लेती हैं। इसकी बजाए चाय को कम करें और अपने शरीर को जरूरी आराम दें।

पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ पिएं

एनसीबीआई.के शोध के अनुसार, अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहने के लिए कैफीनयुक्त पेय को उतनी ही मात्रा में गैर-कैफीनयुक्त पेय पदार्थों से बदलें। ये आपके सिर दर्द, थकान, या चाय की लालसा में चक्कर आने के जोखिम को कम कर सकता है।

हर्बल चाय

आप कैफीन मुक्त हर्बल चाय चुनने पर भी विचार कर सकते हैं। हर्बल चाय को सच्ची चाय नहीं माना जाता है क्योंकि वे कैमेलिया साइनेंसिस संयंत्र से प्राप्त नहीं होती हैं। यह विभिन्न प्रकार के कैफीन मुक्त अवयवों से बनी होती हैं, जैसे फूल, जड़ी-बूटियां और फल।

कितनी चाय है ज्यादा चाय

विशेषज्ञ मानते हैं कि चाय का कम मात्रा में सेवन स्वस्थ है। जबकि ज्यादा चाय पीना शराब पीने या धूम्रपान करने की ही तरह आपके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है। यह एंग्जायटी, सिरदर्द, पाचन संबंधी समस्याएं और नींद के पैटर्न में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अधिकांश लोग बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के प्रतिदिन 3-4 कप (710-950 मिली ग्राम) चाय पी सकते हैं। लेकिन कुछ को कम मात्रा में भी दुष्प्रभाव हो सकता है। चाय पीने से जुड़े दुष्प्रभाव इसमें मौजूद कैफीन और टैनिन सामग्री से संबंधित हैं।

नींद में कमी

चूंकि चाय में स्वाभाविक रूप से कैफीन होता है, इसलिए अत्यधिक चाय पीने से आपकी नींद का पैटर्न प्रभावित होता है। मेलाटोनिन एक हार्मोन है जो आपके मस्तिष्क को संकेत देता है कि ये सोने का समय है।
एनसीबीआई.के शोध से पता चला है कि कैफीन मेलाटोनिन उत्पादन को रोकता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद की कमी की सम्भावना बढ़ती है। अपर्याप्त नींद कई तरह की मानसिक समस्याओं से जुड़ी होती है, जैसे थकान और बिगड़ी हुई स्मृति। नींद की कमी आपके वजन को भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ा देती है।

गर्भावस्था संबंधी समस्याएं

गर्भावस्था के दौरान चाय जैसे पेय पदार्थों में मौजूद कैफीन के उच्च स्तर से गर्भपात और जन्म के समय शिशु के कम वजन का खतरा बढ़ सकता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट का एक शोध चाय की मात्रा 200-मिलीग्राम के निशान से अधिक नहीं होने की सलाह देते हैं। कुछ महिलाएं गर्भावस्था के दौरान कैफीन से बचने के लिए नियमित चाय के स्थान पर कैफीन मुक्त हर्बल चाय पीना पसंद करती हैं। हालांकि, सभी हर्बल चाय गर्भावस्था के दौरान उपयोग करने के लिए सुरक्षित नहीं हैं। उदाहरण के लिए, काली कोहोश या नद्यपान युक्त हर्बल चाय समय से पहले प्रसव पीड़ा को प्रेरित कर सकती है और इससे बचा जाना चाहिए। यदि आप गर्भवती हैं और अपने कैफीन या हर्बल चाय के सेवन के बारे में चिंतित हैं, तो अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सिरदर्द

रुक-रुक कर कैफीन का सेवन कुछ प्रकार के सिरदर्द से राहत दिलाने में मदद तो करता है। पर जब ज्यादा मात्रा में चाय का सेवन किया जाए, तो इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। चाय के रूप में कैफीन का नियमित सेवन बार-बार होने वाले सिरदर्द में योगदान कर सकता है। यदि आपको बार-बार सिरदर्द होता है और आपको लगता है कि वे आपके चाय के सेवन से संबंधित हो सकते हैं, तो ये देखने के लिए कि क्या आपके लक्षणों में सुधार होता है, इस पेय को अपने आहार से कम करने या समाप्त करने का प्रयास करें। कुछ शोध से पता चलता है कि प्रतिदिन कम से कम 100 मिलीग्राम कैफीन सिरदर्द में योगदान देती है।

कैफीन की लत लगना

कैफीन एक आदत बनाने वाला उत्तेजक है, और चाय या किसी अन्य स्रोत से नियमित सेवन से आप इस पर निर्भर हो सकती है। कैफीन छोड़ने के लक्षणों में सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, हृदय गति में वृद्धि और थकान शामिल होते हैं। एनसीबीआई.के एक शोध से पता चला है कि कैफीन की निर्भरता 3 दिनों के लगातार सेवन के बाद शुरू हो जाती है।
5.चिंता, तनाव और बेचैनी का बढ़ना
चाय की पत्तियों में प्राकृतिक रूप से कैफीन होता है। चाय, या किसी अन्य स्रोत से कैफीन का अधिक सेवन चिंता, तनाव और बेचैनी की भावनाओं में योगदान करता है। एक औसत कप (240 मिली) चाय में लगभग 11-61 मिलीग्राम कैफीन होता है, जो विविधता और पकाने की विधि पर निर्भर करता है। जितनी देर आप अपनी चाय को भिगोते हैं, इसकी कैफीन सामग्री उतनी ही अधिक होती है।

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

गर्मियों के मौसम में पुदीना के बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

प्याज का सेवन के नुकसान

प्याज के कई सारे फायदे हैं। लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ है कि अगर एक लिमिट से अधिक इसका सेवन करते हैं तो नुकसान भी है। प्याज का हद से अधिक सेवन भी नुकसानदेह है जानते हैं वे बातें-

- प्याज में मौजूद तत्व फ्रुक्टोस अधिक मात्रा में पाया जाता है। इससे गैस संबंधित पेरशानी होने लगती है। ज्यादा प्याज खाने से डाइजेस्ट करने में प्रॉब्लम होने लगती है।
- इसमें मौजूद पोटैशियम अधिक मात्रा में होता है। इससे कार्डियोलिवर सिस्टम को नुकसान हो सकता है। जिससे सीने में जलन की शिकायत होने लगती है।
- प्याज का सेवन प्रेग्नेंट महिलाओं को नहीं करना चाहिए। इसके सेवन से उन्हें खट्टी डकार, सीने में जलन जैसी समस्या उत्पन्न होने लगती है।
- आपने अक्सर देखा होगा कई लोग प्याज खाने से बचते हैं और जो लोग अधिक प्याज खाते हैं उनके पास जाने से बचते हैं ऐसा इसलिए क्योंकि उनके मुंह से प्याज की दुर्गंध आती है।
- प्याज के अधिक सेवन से खून पतला होने का डर रहता है। इसमें मौजूद विटामिन 'के' बहुत ज्यादा मात्रा में होता है।

आम खाने से मिलते हैं ये फायदे

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं। आइए, जानते हैं 10 फायदे-

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

आंखें रहती हैं चमकदार

आम में विटामिन ए भरपूर होता है, जो आंखों के लिए वरदान है। इससे आंखों की रौशनी बनी रहती है।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

सेक्स क्षमता बढ़ाने में

आम में विटामिन ई अधिक पाया जाता है और इससे सेक्स क्षमता बढ़ती है। साथ ही ये पौरुष बढाने वाला फल भी माना गया है।

गर्मी से बचाव

गर्मियों में अगर आपको दोपहर में घर से बाहर निकलना है तो एक गिलास आम का पना पीकर निकलिए। न तो आपको धूप लगेगी और न ही लू। आम का पना शरीर में पानी के स्तर को संतुलित बनाए रखता है।

यूक्रेन पर हमले का 44वां दिन :यूक्रेन का दावा-

सूमी रूसी सैनिकों के कब्जे से छुड़ाया; रूस ने पहली बार माना की जंग में उसकी सेना को हुआ भारी नुकसान

कीव

रूस-यूक्रेन जंग के 43 दिन पूरे हो चुके हैं। इस बीच यूक्रेनी मीडिया ने दावा करते हुए कहा है कि यूक्रेन का सूमी इलाका पूरी तरह से रूसी सैनिकों के कब्जे से मुक्त हो गया है। सूमी के गवर्नर ने दावा किया है कि रूसी सैनिक सूमी क्षेत्र को छोड़कर जा चुके हैं और वहां अब यूक्रेन की सेना कब्जा जमा चुकी है। हालांकि इस बीच कहीं-कहीं धमाकों की आवाज अभी भी आ रही है। धमाकों की आवाज को लेकर सूमी के गवर्नर दिमित्रो जिवित्स्की ने सफाई देते हुए कहा है कि बचाव दल इलाके में पड़े रूसी गोला-बारूद डिस्पोज कर रहे हैं। वहीं, रूस ने पहली बार जंग में हुए अपने सैन्य नुकसान को स्वीकारा है। रूसी सेना के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा- इस युद्ध में काफी रूसी सैनिकों को जान गंवानी पड़ी है। इस दौरान दिमित्री ने मारे गए सैनिकों की संख्या नहीं बताई। इसके पहले रूस ने सिर्फ 1,351 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की थी।

मां! मुझे अब कौन दुलारेगा...

रूसी सैनिकों ने 4 अप्रैल को बूचा में इस बच्चे की मां की हत्या कर दी थी। मां की मौत के बाद यह बच्चा रोज उसकी कब्र पर आता है और दूध का डिब्बा और खाने का पैकेट वहां रखकर बैठा रहता है।

रूस पर नागरिकों की हत्या का आदेश देने का आरोप

जर्मनी के एक दावे ने यूक्रेन के बूचा शहर में नरसंहार के आरोप झेल रहे रूस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जर्मनी ने कहा है कि उसके इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट ने सेटेलाइट के जरिए रूसी सेना का रेडियो ट्रांसमिशन रिकॉर्ड किया है। इस बातचीत में रूसी सेना के अधिकारी सैनिकों को आम नागरिकों की हत्या करने का आदेश दे रहे हैं। जर्मनी ने इस ऑडियो को रिलीज भी किया है और कहा है कि यह ऑडियो बूचा शहर का हो सकता है, जहां पिछले दिनों सैकड़ों नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। हालांकि, रूस ने इसे प्रोपगंडा बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही बूचा नरसंहार की जांच की मांग दोहराई है। इधर, रूसी हमले झेल रहे यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने जंग में अब तक रूस के 18 हजार से ज्यादा सैनिकों को मार गिराया है।

रूस ने कहा- जंग में हमारा बड़ा नुकसान हुआ

यूक्रेन के रक्षा विभाग ने 18 हजार रूसी सैनिकों को मारने की बात कही, तो रूस ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति हाउस के प्रवक्ता दैमित्रि पेशकोव ने एक इंटरव्यू के दौरान माना कि जंग में हमारा बहुत नुकसान हुआ है।

लोगों के सिर में मारी गई थी गोली

यूक्रेन के बूचा में अटैक के बाद मारे गए लोगों के शव निकाले जा रहे हैं। राहत दल के एक अधिकारी ने कहा- हम घरों से डेड बॉडी निकाल रहे हैं। एक बॉडी के सिर में गोली मारी गई थी। रोड और यार्ड से भी कई लोगों के शव मिले हैं। मृतकों की संख्या इतनी ज्यादा है कि शवों का रेंडम पोस्टमार्टम करने का फैसला लिया गया है।

ड्रैगन की जीरो कोविड पॉलिसी हुई फेल

खुद की बनाई साइनोवैक वैक्सीन का भी असर नहीं

शंघाई में 2.26 करोड़ लोगों को हर्बल दवा बांटी जा रही

बीजिंग

चीन में कोरोना से बचने को लेकर जीरो कोविड पॉलिसी फेल साबित हुई है। चीनी में तैयार की गई साइनोवैक वैक्सीन भी कोरोना से मुकाबले में फिसड्डी साबित हो रहा है। 2.60 करोड़ की आबादी वाली चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में अब तक के सबसे बड़े कोरोना विस्फोट के चलते पिछले दो हफ्ते से लॉकडाउन लगा हुआ है। अहम बात यह है कि शंघाई के 87 फीसदी लोगों को साइनोवैक की डोज लगी थी। लेकिन ओमिक्रॉन और ङ्गश्व वैरिएंट की वजह से इस वैक्सीन की पोल खुल गई है। अब चीनी सरकार शंघाई की 2.26 करोड़ आबादी को देसी हर्बल दवा बांट रही है। चीनी अधिकारियों का मानना है कि इस हर्बल दवा के इस्तेमाल से लोगों को कोरोना के नए वैरिएंट और फ्लू के खिलाफ बेहतर इम्युनिटी मिल सकती है।

कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार पॉलिसी का बचाव किया

वहीं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख अखबार पीपुल्स डेली ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पॉलिसी का बचाव किया है। अखबार के मुताबिक, ये पॉलिसी जान बचाने और अर्थव्यवस्था को चालू रखने के लिए जरूरी है। हालांकि, शंघाई में 21,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। ये मामले पॉलिसी के बचाव को लेकर किए जा रहे दावे के उलट साबित हो रहे हैं।

पीपुल्स डेली ने अपने फ्रंट पेज के एक कालम में लिखा है कि तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वैरिएंट ने महामारी को रोकना और मुश्किल बना दिया है। अखबार ने लिखा- हमें बिना किसी हिचकिचाहट के जीरो कोविड पॉलिसी का पालन करना चाहिए। ये कमेंट इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि चीन महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे खराब कोरोना संकट का सामना कर रहा है।

शंघाई में खाने और दवाईयों की किल्लत

शंघाई में गुरुवार को 21,22 कोरोना केस मिले हैं, जबकि रविवार को 9 हजार मामले दर्ज किए गए थे। जीरो कोविड पॉलिसी को लेकर यहां कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इस वजह से यहां खाने और दवाओं की कमी हो गई है। जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ देश भर में असंतोष बढ़ता जा रहा है। पिछले महीने ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पॉलिसी पर जोर दिया था, लेकिन उन्होंने कहा कि इसे ठीक ढंग से लागू करने की जरूरत है, ताकि प्रतिबंधों से व्यापार और अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचे।

मुर्तजा के कोडवर्ड डीकोड, मंसूबे बेनकाब:जिहादी गुरुओं से अरबी में बात करता था, बख्शीश यानी आतंकी फंडिंग और खटमल का मतलब पुलिस

गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात क्ष्ट जवानों पर हमले के आरोपी मुर्तजा के पास से मिली मजहबी किताब में उसके जिहादी मंसूबों के कोडवर्ड भी हैं। वह जिहाद का पाठ पढ़ाने वाले अपने गुरुओं से इस कोड में बातचीत करता था। ञ्जस ने इनमें से कुछ शब्दों को डीकोड कर उसके मायने निकाले तो मुर्तजा के खतरनाक इरादे भी सामने आए। ATS को मुर्तजा के घर से जिहादी लिटरेचर मिला है। इसमें एक अरबी किताब भी है। शुरुआती जांच में माना जा रहा था कि अपने धर्म के प्रति निष्ठा की वजह से मुर्तजा इसे पढ़ता था। मुर्तजा के साथ ATS उस किताब को भी लखनऊ मुख्यालय लेकर आई। यहां बारीकी से जांच करने पर किताब में कई शब्दों को हाईलाइटेड पाया गया।

ATS ने अरबी के जानकारों से इन शब्दों के मायने पता लगाए तो मुर्तजा के जिहादी मंसूबे सामने आ गए। अधिकारियों का कहना है कि मुर्तजा ने आतंकी आकाओं से बातचीत के लिए अरबी के इन्हीं शब्दों को कोडवर्ड बना रखा था ताकि सुरक्षा एजेंसियां पकड़ न पाएं।

उड़ान:- देश में या देश के बाहर फोन पर बात करते समय फ्लाइट को अरबी में rihlat tayaran (रिहलत तयारान) बोला जाता था। इसका मतलब उड़ान होता है। मुर्तजा ने किताब में इस शब्द को मार्कर से हाईलाइट किया था।

संघर्ष:- मुर्तजा का ब्रेनवॉश करने के लिए अरबी के अलजिहाद शब्द का प्रयोग होता था। किताब में इस शब्द को भी मार्क किया गया है ताकि हर वक्त याद रहे। जिहाद के अर्थ पर मतभेद हैं। आमतौर पर इसे इस्लामी हुकूमत के लिए संघर्ष करने से समझा जाता है। कुरान के कई व्याख्याता जिहाद का अर्थ अपनी बुराइयों पर विजय पाने या संघर्ष से लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कोलकाता हाईकोर्ट का आदेश, ञ्जरूष्ट नेता भादू शेख की हत्या की जांच CBI करेगी

कोलकाता। कोलकाता हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को तृणमूल कांग्रेस के नेता भादू शेख की हत्या की जांच करने का आदेश दिया है। शेख की मौत का बदला लेने के लिए ही बंगाल के बीरभूम जिले के बोगुटुई गांव में नौ लोगों को जिंदा जला दिया गया था। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। कोर्ट ने इन 9 हत्याओं की जांच भी सीबीआई को सौंपी है।

आसाराम के गोंडा आश्रम में मिली बच्ची की लाश : 13 साल की किशोरी का शव 8 महीने से खड़ी कार में मिला

गोंडा। रेप के मामले में जेल में बंद आसाराम के गोंडा आश्रम में कार के अंदर एक 13 साल की बच्ची की लाश मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बच्ची बीते 3 दिनों से अपने घर से गायब थी। यह आश्रम विमौर गांव में है। पुलिस ने पूरे आश्रम को सील कर दिया है। आश्रम के चौकीदार ने बताया कि यह कार करीब 8 महीनों से यहां खड़ी है। कार से अचानक तेज बदबू आने की वजह से जब कार को खोलकर देखा तो उसमें लड़की की लाश दिखी जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चौकीदार से पूछताछ की और शव निकालकर कार को सील कर दिया। पहचान छिपाने के लिए बच्ची के चेहरे पर केमिकल डाला गया है। बताया जा रहा है कि परिवार का मुखिया 3 साल पहले गायब हुआ था। आजतक परिवार के मुखिया का पता नहीं चला। माना जा रहा है कि घटना जमीन विवाद को लेकर हुई है। बच्ची की मां ने 7 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। अब पुलिस फॉरेंसिक टीम की मदद से जांच कर रही है। पुलिस आस-पास के कई लोगों से पूछताछ कर रही है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट

हालात संभालने अब आईएमएफ से कर्ज मांगेगा श्रीलंका; पूर्व मंत्री का आरोप- राजपक्षे ने विदेशों से मिले पैसे का गबन किया

कोलंबो

गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा श्रीलंका अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज मांगेगा। इसके साथ ही श्रीलंका ने एशियन डेवलपमेंट बैंक और वर्ल्ड बैंक से भी कर्ज लेने की तैयारी कर ली है। IMF से इस बारे में बात करने के लिए वित्तीय विशेषज्ञों की 3 मेंबर वाली सलाहकार समिति बनाई है।

इस कमेटी में सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के पूर्व गवर्नर इंद्रजीत कुमारस्वामी को शामिल किया गया है। कमेटी से कर्ज संकट को दूर करने के उपाय सुझाने को भी कहा गया है। इस बीच एशियाई डेवलपमेंट बैंक ने 2022 में श्रीलंका की आर्थिक वृद्धि में 2.5 फीसदी के मामूली सुधार का अनुमान जताया है।

पूर्व मंत्री का आरोप- राजपक्षे परिवार ने देश को लूटा

राजपक्षे सरकार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बीच पूर्व मंत्री और सांसद चंपिका राणावाका ने गुरुवार को कहा कि राजपक्षे परिवार ने देश को खूब लूटा है। 2004 से 2014 तक के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 19 अरब अमेरिकी डॉलर का गबन किया। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों से भारी मात्रा में पैसा ले लिया था और उसे समय पर चुकाया नही। अब इसका खामियाजा पूरा देश भुगत रहा है। श्रीलंका में ऐसा संकट पहली बार आया है।

जम्मू पुलिस की द अनटोल्ड कश्मीर फाइल्स : वीडियो जारी कर कहा-

न चुप बैठेंगे न माफ करेंगे; फैज की नज्म से आतंकियों को चेताया- हम देखेंगे

श्रीनगर

कश्मीरी पंडितों की हत्या और पलायन पर बनी विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने द अनटोल्ड कश्मीर फाइल्स नाम से वीडियो बनाकर अपने ट्वीटर हैंडल पर जारी किया है। इसमें पिछले दिनों आतंकियों का शिकार बने स्पेशल पुलिस ऑफिसर इश्फाक अहमद की शहादत पर श्रद्धांजलि दी है, साथ ही घाटी में आतंकियों द्वारा की गईं 20 हजार हत्याओं को याद किया है। अपने वीडियो में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अपने इरादे भी साफ किए। वीडियो में लिखा है हम न चुप बैठेंगे न माफ करेंगे। इतना ही नहीं फैज अहमद फैज की चर्चित कविता हम देखेंगे का वाइस ओवर चलाकर आतंकियों को धमकी दी कि हम देखेंगे।

क्या है वीडियो

इस वीडियो में दिखाया गया है कि आतंकवाद के कारण सभी कश्मीरियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। चाहे वह किसी भी धर्म के हो। वीडियो 57 सेकेंड का है और इसका टाइटल 'द अनटोल्ड कश्मीर फाइल्स' रखा गया है। इस क्लिप में आतंकवाद के दौर को दर्शाने वाले कई दृश्य हैं। वीडियो की पृष्ठभूमि में फैज अहमद फैज की नज्म हम देखेंगे सुनाई दे रही है जिसका इस्तेमाल 'द कश्मीर फाइल्स' में भी किया गया था। वीडियो में लिखा है, SPO इश्फाक अहमद के घर पर आतंकवादी घुसे और उसके भाई उमर जान समेत उसकी हत्या कर दी थी। शांति का समर्थन करने वाले ऐसी कई कश्मीरियों की हत्या की गई।

पाकिस्तान में बनेगी कमजोर नींव वाली सरकार

इमरान का काम तमाम करने एक हुए राजनीति के जानी दुश्मन; खान के बाद शहबाज होंगे नए कप्तान

आसिफ अली जरदारी
PPP

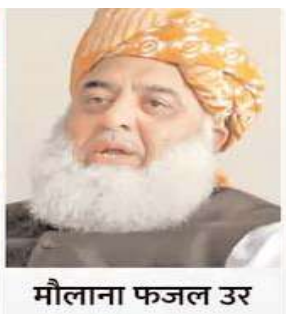

मौलाना फजल उर रहमान, JUI

शहबाज शरीफ
PML

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग कराने का आदेश दिया है। 342 सांसदों वाली नेशनल असेंबली में बहुमत का जादुई आंकड़ा 172 है। प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी इससे काफी दूर है। उनके पास 142 सांसदों का समर्थन है, जबकि एकजुट हुए विपक्ष के पास 199 सांसद हैं। ऐसे में इमरान का जाना और विपक्षी मोर्चे का सत्ता में आना तय है। लेकिन, नई सरकार कमजोर नींव वाली होगी। विपक्षी मोर्चे में जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) नई सरकार के प्रमुख घटक होंगे। नवाज की पीएमएल-एन के नेशनल असेंबली में 84 जबकि पीपीपी के 47 सांसद हैं। लिहाजा पीपीपी पहले ही नवाज की पार्टी को प्रधानमंत्री का पद देने को तैयार है। नवाज शरीफ के भाई शहबाज का अगला पीएम बनना तय है। पाकिस्तान के पंजाब सूबे में मजबूत आधार वाली पीएमएल-एन और सिंध की ताकतवर पार्टी पीपीपी कभी धुर विरोधी रही हैं। अब सत्ता के लिए इन्होंने हाथ मिला लिया है।

जरदारी ने कहा था- शरीफ कत्ल कराएंगे

पीपीपी नेता बिलावल पीएमएल-एन नेताओं पर हमलावर रहे हैं। फरवरी 2020 में उन्होंने कहा था- इमरान की तरह ही पीएमएल-एन नेता नवाज शरीफ भी कठपुतली पीएम थे। पीटीआई की तरह पीएमएल-एन भी संसद को महत्व नहीं देती है। वहीं, उनके पिता आसिफ अली जरदारी अक्टूबर 2017 में कह चुके हैं कि जब मैं भ्रष्टाचार मामले में जेल में था, तो शरीफ बंधुओं (नवाज व शहबाज) ने मेरी हत्या की दो बार योजना बनाई थी। पीएमएल नेता शहबाज शरीफ कई बार पीपीपी नेताओं पर निधाना साध चुके हैं। 2012 में उन्होंने कहा था- राष्ट्रपति जरदारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के केस की जांच दोबारा शुरू करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को न मानकर पीएम गिलानी न्यायपालिका का अपमान किया।

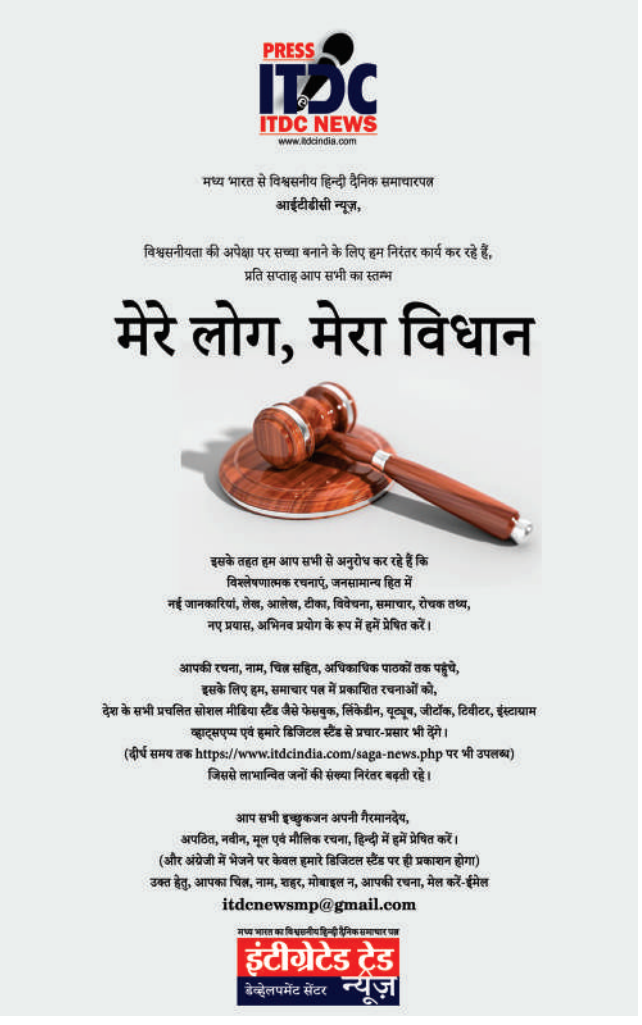

न्यूज ब्रीफ

द. अफ्रीका के गेंदबाज ने दो बार फेंके नो बॉल, अंपायर ने कहा- तुम बॉलिंग नहीं कर सकते

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के दौरान एक ऐसा वाकया हुआ जो आम तौर पर बहुत कम होता है। दिल्ली के गेंदबाज एनरिक नोर्त्या को बीच ओवर में गेंदबाजी से हटा दिया गया। यह घटना लखनऊ की पारी के 16वें ओवर में हुई। नोर्त्या अपना तीसरा ओवर डाल रहे थे। इस ओवर की तीसरी गेंद डालने की कोशिश में उन्होंने 140 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हाई फुलटॉस डाल दी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी और इसे नो बॉल करार दिया गया। इसके बाद अंपायर ने उन्हें गेंदबाजी से रोक दिया। नोर्त्या ने इससे पहले अपने दूसरे ओवर (पारी का 14वां ओवर) में भी एक बीमर डाला था। एक पारी में दो बीमर डालने के कारण उन्हें नियम के तहत गेंदबाजी से रोक दिया गया। हालांकि, आईपीएल में ऐसा भी हुआ जब किसी गेंदबाज ने एक ही पारी में दो बीमर डाली फिर भी उसे गेंदबाजी ने नहीं हटाया गया। 2019 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज दीपक चाहर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में दो बीमर डाल थी। इसके बावजूद उन्हें गेंदबाजी से नहीं हटाया गया। तब चाहर को स्लोअर गेंद फेंकने का फायदा मिल गया था। चाहर ने उस मैच में जो दूसरी बीमर डाली थी वह स्लोअर गेंद थी। फील्ड अंपायर को यह तय करना होता है कि बीमर बल्लेबाज के लिए खतरनाक है या नहीं। चाहर की दूसरी गेंद को अंपायर ने खतरनाक नहीं माना और उन्हें गेंदबाजी से नहीं रोका गया। वहीं, नोर्त्या की गेंद को अंपायर ने खतरनाक माना और उन्हें बॉलिंग छोड़नी पड़ी।

जीत के बाद क्विंटन डी कॉक ने कहा- इस खिलाड़ी ने काम आसान बना दिया

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 52 गेंदों पर 80 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए %प्लेयर ऑफ द मैच% का पुरस्कार जीता। डी कॉक ने मैच के बाद कहा, मैं वही खेलता हूं जो मेरे सामने रखा जाता है। यह एक पीछा करने योग्य स्कोर था, लेकिन हमने सुनिश्चित किया कि हम खुद से बहुत आगे न जाएं। हम सिर्फ विकेट हाथ में रखना चाहते थे। क्विंटन डी कॉक ने अपने कप्तान केएल राहुल के साथ शुरुआती विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी की और फिर उन्होंने दीपक हुड्डा के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत के करीब ले गए। उन्होंने 80 रन की पारी में 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

श्रीकांत और सिंधू कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

संचियोन

शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत ने शुक्रवार को यहां अलग अलग तरीके से अपने मुकाबले जीतकर कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और तीसरी वरीय सिंधू ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंगबाम्रुंगफान पर 21-10 21-16 से अपनी 17वीं जीत दर्ज की। अब वह अगले मुकाबले में जापान की साएना कावाकामी और दूसरी वरीय कोरियाई एन सेयंग के बीच होने वाले मैच की विजेता के सामने होंगी। विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरूष एकल स्पर्धा में स्थानीय खिलाड़ी सोन वान हो पर तीन गेम से जीत हासिल की। विश्व रैंकिंग में पहले शीर्ष में रह चुके दोनों खिलाड़ियों के

बीच मुकाबले में श्रीकांत ने अपने ताकतवर और सटीक शॉट से सोन वान हो को एक घंटे से जरा ज्यादा चले क्वार्टरफाइनल में 21-12 18-21 212 से पराजित किया। श्रीकांत का रिकॉर्ड इस कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 4-7 का है जिससे वह पिछले तीन मौकों पर हार गए थे। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को बेहतर प्रदर्शन करते हुए सोन वान हो को पराजित किया जो दो साल के बाद अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में वापसी कर रहे हैं। पांचवें वरीय श्रीकांत का सामना अब थाईलैंड के आठवें वरीय कुनलावुत विदितसर्ण और इंडोनेशिया के तीसरे वरीय जोनाथन क्रिस्टी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

महिला एकल में सिंधू को बुसानन को हराने में कोई दिक्कत नहीं हुई जिसे उन्होंने पिछले महीने स्विस ओपन फाइनल में हराया था। थाईलैंड की खिलाड़ी ने शुरू में 5-2 की बढ़त बना ली थी लेकिन बाद में सिंधू ने अपना शिकंजा कस लिया। सिंधू ने 11-7 की बढ़त के बाद आठ अंक जुटाकर आसानी से गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी चीजें समान रहीं जिसमें सिंधू ने 8-2 की बढ़त के बाद थाईलैंड की खिलाड़ी को पस्त किया। पुरूष एकल में श्रीकांत ने पहले गेम में बेहतर नियत्रंण दिखाते हुए 11-6 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन सोन वान हो ने जल्द ही इसे 12-14 कर दिया। पर भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। कोरियाई खिलाड़ी ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की और 10-7 की बढ़त बना ली लेकिन श्रीकांत जल्द ही 13-11 से आगे हो लिए। सोन वान हो ने भी वापसी की और यह गेम जीत लिया। जिससे फैसला निर्णायक गेम से होना था जिसमें श्रीकांत ने 4-0 से अच्छी शुरूआत की लेकिन वह 4-6 से पिछड़ गये। हालांकि उन्होंने आक्रामक रिटर्न और सटीक शॉट से वापसी कर ब्रेक तक इसे 11-7 कर दिया। उन्होंने बढ़त जारी रखते हुए इसे 16-10 करने के बाद सटीक रिटर्न से आठ मैच प्वांइट हासिल कर जीत दर्ज की।

रोहित ने खिलाड़ियों को किया मोटिवेट: मुंबई की 3 हार के बाद रोहित बोले

सिर झुकाने की जरूरत नहीं, अपने अंदर जीत की भूख पैदा करें

मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस की शुरुआत 15वें सीजन में खराब रही है। मुंबई इंडियंस को लगातार 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। अब मुंबई को अगला मैच 9 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ खेलना है। उससे पहले रोहित शर्मा ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को मोटिवेट करने के लिए स्पीच दिया, जिसका वीडियो मुंबई इंडियंस ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया है।

हार के लिए कोई एक दोषी नहीं

रोहित ने कहा कि हार के लिए किसी एक को ब्लेम नहीं किया जा सकता है। हम सभी एक हैं। टीम के रूप में एक साथ जीतते हैं और एक साथ हारते हैं। हमें हतोत्साहित होने की जरूरत नहीं है।

तीन हार से सिर नीचे करने की जरूरत नहीं

उन्होंने आगे कहा कि अभी आईपीएल की शुरुआती दौर है। ऐसे में लगातार मिली 3 हार से हमें अपना सिर नीचे करने की जरूरत नहीं है। हमें अपने अंदर के उत्साह को बनाए रखना है और छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना और उन्हें समझकर प्रत्येक खिलाड़ी को उसके अनुरूप खेलना है।

हमारे पास टैलंट और क्षमता की कमी नहीं:- उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास टैलंट और क्षमता की कमी नहीं है। हमें केवल अपनी छोटी-छोटी कमियों को सुधारने की जरूरत है। मैच के दौरान प्रत्येक खिलाड़ी को परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीति बनाने और उसके अनुसार ढालने की जरूरत है।

जीत की भूख पैदा करें:- रोहित ने कहा कि हर खिलाड़ी को अपने अंदर जीत की भूख पैदा करने की जरूरत है। हमें होत्साहित होने की जगह अपने को जीत के लिए पूरी तरह झोंकने की जरूरत है।

केकेआर की जीत के बाद मैदान में जमकर नाचे रसेल, किंग खान बोले-

मैं भी ऐसा डांस करना चाहता हूं

मुंबई

पैट कमिंस ने धमाकेदार पारी से मुंबई इंडियंस पर कोलकाता नाइट राइडर्स को जोरदार जीत दिलाई। इस जीत के बाद च्यक्र के ऑनर और बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख भी डांस करने के लिए मचल उठे। उनके इस जोश के पीछे टीम के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल का वह जोरदार डांस कारण बना, जो रसेल ने मुंबई के जबड़े से मैच छीनने के बाद पैट कमिंस के साथ मैदान पर ही स्टार्ट कर दिया था। कैरिबियाई खिलाड़ियों को यूं भी मस्तमौले अंदाज के लिए जाना जाता है। शाहरुख ने सोशल मीडिया पर इस जश्न का वीडियो शेयर किया और रसेल के अंदाज में ही डांस करने की चाहत जताई। बुधवार रात को कोलकाता नाइट राइडर्स के पैट कमिंस ने महज 14 गेंदों पर अर्धशतक ठोककर आईपीएल 2022 में अपनी असली धमक दिखाई। कमिंस को आमतौर पर अपनी घातक तेज गेंदबाजी के लिए जाना जाता है, पर इस बार उन्होंने बल्ले से लाखों लोगों का दिल जीता।

फ्रेंच ओपन के बाद संन्यास लेंगे विल्फ्रेड सोंगा

पेरिस

आस्ट्रेलियाई ओपन के पूर्व उप विजेता जो विल्फ्रेड सोंगा ने घोषणा की है कि वह फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे। अपने करियर के दौरान चोटों से जूझने वाले सोंगा इस तरह अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपने करियर का अंत करेंगे। फ्रांस के 36 साल के सोंगा ने 2012 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछली बार चोट लगने के बाद उनकी मौजूदा रैंकिंग 220 है। इसका

मतलब है कि सोंगा को रोलां गैरो के मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश नहीं मिलेगा और उन्हें आयोजकों द्वारा वाइल्ड कार्ड दिए जाने पर निर्भर रहना होगा। लगभग 20 साल पहले सामने आए फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ियों में सोंगा पहले हैं जो संन्यास ले रहे हैं। इन दिग्गजों की सूची में गेल मोनफिल्स, रिचर्ड गास्केट और जाइल्स सिमोन भी शामिल हैं। सोंगा ने कहा कि यह मेरे लिए अंतिम रोमांच होगा। रोलां गैरो पर यह मेरा 15वां टूर्नामेंट होगा। उम्मीद करता हूं कि मैं फिट रहूंगा। सोंगा 2013 और 2015 में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। उन्होंने 18 एटीपी खिताब जीते और 2008 में आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंचे जहां उन्हें नोवाक जोकोविच के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी।

मैच गंवाकर पंत ने कहा- इस समस्या को दूर करना होगा

मुंबई

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मिली लगातार हार के बाद कहा कि उनकी टीम को लगातार विकेट गंवाने के 'पैटर्न% की समस्या को जल्द से जल्द सुलझाने और मध्य ओवरों में कम 'डॉट% गेंद खेलने की जरूरत है। दिल्ली की टीम ने आईपीएल सत्र में शुरूआत मजबूत मुंबई इंडियंस पर जीत दर्ज करके की लेकिन उसे फिर गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स से लगातार हार झेलनी पड़ी। पंत ने कहा, 'बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हमें खुद को सुधारने के तरीके ढूंढने होंगे। पिछले दो-तीन मैचों में हम एक 'पैटर्न% देख रहे हैं, हमें इस चीज पर काम करना होगा कि हम लगातार विकेट नहीं गंवाए और मध्य के ओवरों में कम 'डॉट% गेंद खेलें।% उन्होंने गुरूवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली छह विकेट की हार के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'अगर हम टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए इन चीजों पर काम करते हैं तो हम अच्छा कर सकते हैं।%

मिशेल मार्श की कमी खली

पंत ने कहा, 'मिशेल मार्श को अंतिम एकादश में शामिल होना था लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और चोट (ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए पाकिस्तान में ट्रेनिंग के दौरान लगी) के कारण वह नहीं आ सका। निश्चित रूप से हमें उसकी कमी खल रही है।% उन्होंने कहा, 'पहले दो मैचों की तरह हमने एक साथ दो-तीन विकेट गंवा दिये, जो लगातार दो-तीन ओवर में हुआ जिससे दबाव बन गया। पंत ने कहा, 'लेकिन मैंने और सरफराज ने भागीदारी बनाने की कोशिश की और पिछले मैच में आवेश खान और जेसन होल्डर ने अंत में दो-तीन ओवर में सचमुच काफी अच्छी गेंदबाजी की।

अक्षर को इसलिए गेंदबाजी नहीं दी : पंत

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में स्पिनर अक्षर पटेल को महज दो ओवर दिए जाने के लिए पंत की आलोचना हो रही थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ने इस फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'अक्षर को इसलिए गेंदबाजी नहीं दी गई क्योंकि पिच पर दो बायें हाथ के बल्लेबाज खेल रहे थे और इनमें से क्विंटन डि कॉक क्रीज पर जम गए थे जो अंत तक बल्लेबाजी करते रहे।% उन्होंने कहा, 'जब डि कॉक आउट हुए (16वें ओवर में) तब तक अक्षर को गेंदबाजी कराने के लिये बहुत देर हो चुकी थी।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका को दी गई ऋण-सुविधा अप्रैल अंत तक हो सकती है खत्म

कोलंबो। गंभीर विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत से मिली 50 करोड़ डॉलर की ऋण-सुविधा तेजी से खत्म हो रही है और अगर ऐसे ही चलता रहा तो अप्रैल के अंत तक उसके पास डीजल खरीद के लिए विदेशी मुद्रा नहीं रह जाएगी। खाद्य उत्पादों, गैस, तेल एवं अन्य जरूरी चीजों की किल्लत और भारी बिजली कटौती से जूझ रहे श्रीलंका में इस समय लोग सड़क पर उतरकर विरोध जता रहे हैं। मुखर जन-विरोध की वजह से श्रीलंका सरकार के सभी मंत्रियों को पद छोड़ना पड़ा है और तमाम सांसदों ने भी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का साथ छोड़ दिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, श्रीलंका में विदेशों से कच्चे तेल की आपूर्ति एक अप्रैल से शुरू होनी थी लेकिन हालात की गंभीरता को देखते हुए मार्च के आखिरी हफ्ते में ही तेल की खेप पहुंचने लगी थी। भारत से तेल की अगली खेप अगले हफ्ते पहुंचने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि भारत से तेल की खेप 15 अप्रैल, 18 अप्रैल और 23 अप्रैल को आने की संभावना है। लेकिन इसके बाद श्रीलंका को भारत से मिली 50 करोड़ डॉलर की ऋण-सुविधा खत्म हो जाएगी और अगर भारत ने इसमें बढ़ोतरी नहीं की तो फिर श्रीलंका गहरे तेल संकट से जूझ सकता है। भारत ने फरवरी में श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण-सुविधा देने की घोषणा की थी। श्रीलंका में डीजल का इस्तेमाल सार्वजनिक परिवहन के लिए खूब होता है। इसके साथ ही तापीय बिजली उत्पादन में भी डीजल की खपत अधिक होती है। लेकिन तापीय बिजलीघरों में डीजल की किल्लत होने से काफी हद तक उत्पादन ठप हो गया है। इसकी वजह से श्रीलंका में इस समय 10-10 घंटों तक बिजली कटौती हो रही है। इस बीच, श्रीलंका मेडिकल एसोसिएशन ने राजपक्षे से देश में जरूरी दवाओं की किल्लत दूर करने के लिए जल्द कदम उठाने की मांग की है। संगठन के मुताबिक, इस समय श्रीलंका में जरूरी दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति बहुत कम होने से सिर्फ आपातकालीन सर्जरी ही की जा रही है।

रुचि सोया के शेयर शुरुआती कारोबार में उछले

मुंबई। पतंजलि समूह की कंपनी रुचि सोया के शेयर अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के तहत शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। बीएसई में रुचि सोया के शेयर 7.77 प्रतिशत उछलकर 882.55 रुपये प्रति शेयर के भाव पर पहुंच गए। वहीं एनएसई में इस कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 8.23 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 885 रुपये के भाव पर पहुंच गए। बीएसई की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी सूचना के मुताबिक, रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के दो रुपये मूल्य वाले 6,61,53,846 इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध किया गया है। इन शेयरों के शुक्रवार से कारोबार की मंजूरी भी दी गई थी। रुचि सोया ने एफपीओ निर्गम के दौरान 650 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया था। यह निर्गम 24-28 मार्च के दौरान खुला था।

बैंकों को डिजिटल इकाई की अनुमति

मुंबई
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वाणिज्यिक बैंकों को डिजिटल बैंकिंग इकाई (डीबीयू) शुरू करने की अनुमति देने के लिए आज नियम तय कर दिए। इन इकाइयों को इसके तहत न्यूनतम उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। 2022-23 के बजट में आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर देश भर के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां स्थापित करने की घोषणा की गई थी। शुरुआत में डिजिटल बैंकिंग का अनुभव रखने वाले सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को आरबीआई से मंजूरी लिए बगैर बड़े शहरों से एकदम छोटे शहरों तक ऐसी इकाइयां खोलने की अनुमति होगी। मगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्थानीय क्षेत्र के बैंक और भुगतान बैंक ये इकाइयां नहीं खोल पाएंगे।

डिजिटल बैंकिंग इकाई को डिजिटल बैंकिंग उत्पादों एवं सेवाओं के साथ मौजूदा वित्तीय उत्पाद एवं सेवाएं डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध कराने के लिए न्यूनतम डिजिटल ढांचा मुहैया कराने वाले प्रमुख केंद्र या विशेषीकृत निर्धारित पॉइंट वाली कारोबारी इकाई के रूप में परिभाषित किया गया है।
डीबीयू का उद्देश्य ग्राहकों को कागजरहित, सुरक्षित और कनेक्टेड माहौल में पूरे साल कम लागत में सुगमता के साथ सेवाएं और उत्पाद उपलब्ध कराना एवं डिजिटल अनुभव देना है। आरबीआई ने कहा कि प्रत्येक डीबीयू को एकदम अलग प्रवेश और निकास प्रावधान वाला होना चाहिए। आरबीआई की अधिसूचना में कहा गया है, %ये मौजूदा बैंकिंग आउटलेट से अलग होंगे और इनका प्रारूप तथा डिजाइन डिजिटल बैंकिंग उपयोग करने वालों के अनुकूल होना चाहिए।% बैंकिंग नियामक ने डीबीयू द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले न्यूनतम उत्पाद एवं सेवाएं तय किए हैं, जिन्हें मुहैया कराना अनिवार्य होगा। रिजर्व बैंक ने कहा, %प्रत्येक डीबीयू को निश्चित तौर पर तय न्यूनतम डिजिटल बैंकिंग उत्पाद एवं सेवाएं मुहैया करानी होंगी। ऐसे उत्पाद डिजिटल बैंकिंग श्रेणी की बैलेंस शीट में देनदारी और परिसंपत्ति दोनों के तौर पर होने चाहिए...डीबीयू अपने हाइब्रिड और उच्च गुणवत्ता वाले इंटरैक्टिव कौशल का उपयोग कर ज्यादा सुसंगठित और आवश्यकता के अनुकूल उत्पादों की पेशकश करेंगी।% देनदारी वाले उत्पादों में बचत खाता, चालू खाता खोलना, सावधि और आवर्ती जमा, मोबाइल एवं इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, यूपीआई क्यूआर कोड आदि शामिल होंगे।

महंगाई बढ़ेगी ग्रोथ घटेगी : आरबीआई ने कहा-

2023 में 7.2 फीसदी रहेगी जीडीपी यानी ग्रोथ में 0.6 फीसदी गिरावट

महंगाई अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़कर 5.7 फीसदी

नई दिल्ली
भारतीय रिजर्व बैंक ने नए वित्त वर्ष (2022-2023) की पहली बैठक में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट को 4 फीसदी और रिवर्स रेपो को 3.35 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी आपकी EMI पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह लगातार 11वीं बार है जब केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट स्थिर रखी है। वहीं आरबीआई ने FY23 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान 7.8 फीसदी से घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। महंगाई दर का अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 5.7 फीसदी किया है।

दरों पर अकोमोडेटिव रुख बरकरार

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि दरों को लेकर अकोमोडेटिव रुख बरकरार है। सभी सदस्यों की सहमति से ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बाजार से लिक्विडिटी को धीरे-धीरे बाहर निकालने की भी बात कही। वहीं आरबीआई गवर्नर ने सप्लाई चेन पर चिंता जताते हुआ कहा कि सप्लाई चेन को लेकर ग्लोबल मार्केट दबाव में है। महंगाई को लेकर आरबीआई गवर्नर ने कहा कि फरवरी के अंत से कच्चे तेल की कीमतों में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव और जियो पॉलिटिकल टेंशन से अनिश्चितता को देखते हुए, ग्रोथ और महंगाई का अनुमान जोखिम से भरा है।

कच्चे तेल, मेटल प्राइस में भारी उतार चढ़ाव:- आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग ऐसे समय में हुई है जब रूस-यूक्रेन जंग के कारण कच्चे तेल से लेकर मेटल प्राइस में भारी उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। ऐसे में पूरी दुनिया में महंगाई बड़ी समस्या बनी हुई है। आरबीआई ने पहली तिमाही में महंगाई दर 6.3त्न, दूसरी तिमाही में 5त्न, तीसरी तिमाही में 5.4 फीसदी और चौथी तिमाही में 5.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई हर दो महीने पर पॉलिसी रिव्यू मीटिंग करता है। स्न्ङ्क23 की यह पहली रिव्यू मीटिंग है जो 6 अप्रैल को शुरू हुई थी। इससे पहले आरबीआई की बैठक फरवरी में हुई थी।

2020 से रेपो रेट नहीं बढ़ा

पिछली बार 22 मई 2020 को रेपो रेट में बदलाव हुआ था। तब से रेपो रेट 4 फीसदी के ऐतिहासिक लो लेवल पर बना हुआ है। रेपो रेट वह रेट होता है जिस पर आरबीआई से बैंकों को कर्ज मिलता है, जबकि रिवर्स रेपो रेट वह दर होती है जिस दर पर बैंकों को आरबीआई के पास अपना पैसा रखने पर ब्याज मिलता है।

आने वाले दिनों में बढ़ेगा रेपो रेट

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा, क्रेडिट पॉलिसी ने जीडीपी और महंगाई दोनों के अनुमानों में बदलावों से बाजारों को चौंका दिया है। जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाकर 7.2 फीसदी और महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.7 फीसदी करना स्पष्ट संकेत है कि आने वाले दिनों में रेपो रेट में बढ़ोतरी की जाएगी। हमें इस साल कम से कम 50 ङ्खश्चह्य बढ़ोतरी की उम्मीद है। बाजारों ने पहले ही 10 साल के बॉन्ड के 7 फीसदी से ऊपर जाने पर रिएक्ट किया है।

रूस-यूक्रेन जंग का असर

एअर इंडिया ने दिल्ली-मॉस्को फ्लाइट कैंसिल की, जंग की वजह से कंपनियां एयरक्राफ्ट के इंश्योरेंस को तैयार नहीं

नई दिल्ली
एअर इंडिया ने हफ्ते में दो बार ऑपरेट होने वाली अपनी दिल्ली-मास्को फ्लाइट कैंसिल कर दी है। जिन यात्रियों ने फ्लाइट की बुकिंग की थी उन्हें पूरा रिफंड दिया जाएगा। फ्लाइट कैंसिल करने की वजह रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण एयरस्पेस में बढ़े खतरे को बताया जा रहा है। ऐसे में अब मॉस्को जाने के लिए यात्री ट्रांजिट रूट का इस्तेमाल कर सकते हैं। यात्री ताशकंद, इस्तांबुल, दुबई, अबू धाबी, दोहा और अन्य देशों के रास्ते रूस पहुंच सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एअर इंडिया उन एयरलाइन्स में से है जो यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भी रशियन एयरस्पेस का इस्तेमाल कर रही है। एअर इंडिया की सभी फ्लाइट्स का इंश्योरेंस इंटरनेशनल एजेंसीज करती है, लेकिन रशियन एयरस्पेस में बढ़े खतरे की वजह से इंटरनेशनल इंश्योरेंस कंपनियों ने एयरक्राफ्ट पर इंश्योरेंस देने से मना कर दिया है। हालांकि एअर इंडिया का कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रूसी दूतावास ने क्या कहा?

इससे पहले बुधवार को, रूसी दूतावास ने कहा था कि एअर इंडिया ने दिल्ली-मॉस्को-दिल्ली मार्ग पर टिकट बेचना बंद कर दिया है। इस एयरलाइन की रूस के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की संभावनाएं फिलहाल अनिश्चित हैं।

फ्लाइट का इंश्योरेंस कैसे किया जाता है?
एविएशन इंश्योरेंस में तीन चीजों को कवर किया जाता है। एयरक्राफ्ट (इसे हल इंश्योरेंस कहते हैं), पैसेंजर (अगर यात्री को किसी कारण चोट लग जाए) और थर्ड पार्टी लायबिलिटी (एयरक्राफ्ट से किसी थर्ड पार्टी को हुआ नुकसान, जैसे प्लेन किसी के घर पर क्रैश हो जाए)।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता से आरबीआई ने वृद्धि अनुमान घटाकर 7.2 प्रतिशत किया

मुंबई
रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में आए उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी अड़चनों की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि दर अनुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक की घोषणा करते हुए कहा कि पिछले दो महीनों में 'बाहरी' घटनाक्रमों की वजह से घरेलू वृद्धि के नीचे जाने और मुद्रास्फीति के ऊपर जाने का जोखिम पैदा हुआ है। दास ने कहा, ''वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वास्तविक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में यह 16.2 प्रतिशत, दूसरी में 6.2 प्रतिशत, तीसरी में 4.1 प्रतिशत और चौथी तिमाही में यह चार प्रतिशत रहेगी।'' उन्होंने कहा कि यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि 2022-23 में भारत द्वारा खरीदे जाने वाले कच्चे तेल का औसत दाम 100 डॉलर प्रति बैरल रहेगा। इससे पहले इसी साल जनवरी में पेश की गई आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि दर के 8-8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि महामारी से संबंधित पाबंदियों में ढील दिए जाने के बाद मार्च में हवाई यातायात की स्थिति सुधरी है। उन्होंने कहा, ''हमारे सर्वे के अनुसार उपभोक्ताओं का भरोसा सुधर रहा है और परिवारों का परिदृश्य बेहतर हुआ है।'' दास ने कहा कि कारोबारी भरोसा सकारात्मक हुआ है और यह आर्थिक गतिविधियों के पुनरुद्धार को समर्थन दे रहा है।

पाक में बिगड़े आर्थिक हालात : डॉलर के मुकाबले रुपया 189 के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचा; रिजर्व भी घटकर 12 अरब डॉलर हुआ

इस्लामाबाद
पाकिस्तान में चल रहे पॉलिटिकल क्राइसिस के बीच रुपए में ऐतिहासिक गिरावट देखने को मिल रही है। गुरुवार को पाकिस्तानी रुपया इंट्रा-डे में डॉलर के मुकाबले 189 रुपए के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। यह 2.05 रुपए या 1.09 फीसदी की गिरावट के साथ 188.18 रुपए पर बंद हुआ। बुधवार को पाकिस्तानी रुपया 186.13 पर बंद हुआ था। पाकिस्तानी रुपए में महीनों से गिरावट आ रही है, लेकिन ये गिरावट मार्च में और ज्यादा तेज हो गई जब विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया और सरकार ने नेशनल असेंबली भंग कर दी। इसे लेकर 4 दिन चली सुनवाई के बाद गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अविश्वास प्रस्ताव खारिज करना और असेंबली भंग करना गैरकानूनी है। अब 9 अप्रैल को संसद सत्र बुलाया जाएगा। इसमें अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होगी।

पाकिस्तानी रुपए में 10 फीसदी की गिरावट

4 मार्च के बाद से करेंसी 10 फीसदी गिर चुकी है। पाकिस्तानी रुपया बीते 17 वर्किंग डेज में से 16 दिन गिरावट के साथ बंद हुआ है। केवल 24 मार्च को ये फ्लैट बंद हुआ था। मई 2021 के रिकॉर्ड हाई (152.27 रुपए) के लेवल से ये 23.58 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं मार्च के बाद से रिजर्व 16 अरब डॉलर से गिरकर 12 अरब डॉलर हो गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के नौ महीनों में घाटा 70 फीसदी तक पहुंच गया है।

दोहरे दबाव में पाकिस्तान की करेंसी

पूर्व वित्त मंत्री डॉ. हाफिज पाशा ने कहा कि पाकिस्तान की मुद्रा दोहरे दबाव में है - आर्थिक और राजनीतिक। रुपए का इस तरह से गिरने का कारण अनिश्चित राजनीतिक स्थिति, बढ़ता चालू खाता घाटा और घटता विदेशी मुद्रा भंडार है। पाशा ने कहा कि %अगले चार-पांच महीनों के लिए पाकिस्तान की जरूरत लगभग 13 अरब डॉलर है, लेकिन देश में चल रहे राजनीतिक और आर्थिक संकट के कारण इस मांग को पूरा करना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की कमजोर करेंसी और कम रिजर्व ने इंपोर्टर्स की परेशानी बढ़ा दी है। पेमेंट करने के लिए इंपोर्टर्स डॉलर अरेंज नहीं कर पा रहे हैं। पाशा ने कहा, अगर हम बढ़ते इंपोर्ट को नियंत्रित कर पाते हैं, तो रुपया 30 जून को खत्म हो रहे चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में डॉलर के मुकाबले 200 रुपए के करीब क्लोज हो सकता है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)